

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

RNI NO-UPHIN/2023/84340

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शनिवार, 28 नवंबर 2026 | वर्ष: 04, अंक: 316, पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोकसभा सीटें 50% बढ़ाने को सरकार की मंजूरी: 25 साल संख्या नहीं बदलेगी

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया

नई दिल्ली/एजेंसी

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। इसी को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सेवातीर्थ में विशेष केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई।सूत्रों के मुताबिक बैठक में परिसीमन विधेयक को मंजूरी दी गई है। इसके तहत सभी राज्यों में लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, विधेयक में सीटों के पुनर्निर्धारण के लिए साल 2011 की जनगणना को आधार बनाने का प्रावधान किया गया है। सूत्रों के अनुसार, प्रस्ताव का उद्देश्य परिसीमन के बाद किसी भी राज्य की राजनीतिक हिस्सेदारी कम होने की आशंका को दूर करना है। इसके साथ ही राज्यों के बीच लोकसभा सीटों के मौजूदा अनुपात को वर्ष 2051 तक स्थिर रखने का प्रस्ताव भी किया जा सकता है।

इस प्रस्ताव को महिला आरक्षण लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इसके जरिए 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ हो सकता है। उल्लेखनीय है कि 30 नवंबर को फिर से शुरू होगी, जबकि राज्यसभा की बैठकें 2 दिसंबर से शुरू होने वाली हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार सोमवार से शुरू होने वाले लोकसभा के चार दिवसीय सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधायी कार्य पेश करेगी। संसद के विशेष सत्र को लेकर विपक्षी नेताओं की टिप्पणियों पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री कहा, "मैंने पहले ही ऐसी टिप्पणियां न करने की अपील की है। किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद में कई सत्र होते हैं मानसून, शीतकालीन और बजट सत्र और जरूरत पड़ने पर विशेष सत्र भी बुलाए जाते हैं। संसद के भीतर सदस्य अपने विचार खुलकर रखने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन ये सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि सदन सुचारू रूप से काम करे।" रिजिजू ने कहा कि उन्होंने प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बातचीत की है। से लोकसभा और 2 दिसंबर से राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होगी। 3 दिसंबर को सत्रावसान होगा।





रिजिजू ने चार दिवसीय संसद सत्र में सदस्यों से सार्थक चर्चा का आग्रह किया

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सांसदों से सोमवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय संसद सत्र में सार्थक चर्चा करने का आग्रह किया है। किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों के विशेष सत्र से पहले नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए यह बात कही। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि इन विधेयकों को 2 दिसंबर से शुरू होने वाले राज्यसभा के सत्र में भी पेश किया जाएगा। लोकसभा की बैठक सोमवार, 30



संसद सत्र की रणनीति पर सोनिया गांधी के आवास पर कांग्रेस की अहम बैठक, कई वरिष्ठ नेता शामिल

नई दिल्ली/एजेंसी

संसद के आगामी विशेष सत्र की रणनीति तय करने के लिए शुक्रवार को नई दिल्ली में सोनिया गांधी के आवास (10 जनपथ) पर कांग्रेस नेताओं की बैठक आयोजित की गई। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर आयोजित इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में संसद सत्र के दौरान पार्टी की रणनीति पर चर्चा हुई। इससे पहले बैठक में शामिल होने के लिए पी. चिदंबरम, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल, कुमारी शैलजा, तारिक अनवर, के. सुरेश, प्रमोद तिवारी, गौरव गोगोई और इमरान मसूद सहित कई नेता सोनिया गांधी के आवास पर पहुंचे। रमेश ने पार्टी की तीन मांगें दोहराईं। इनमें अगले 25 वर्षों तक लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या और राज्यों के बीच सीटों का वर्तमान अनुपात बनाए रखना तथा 2029 के लोकसभा चुनाव से महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देना शामिल है।



संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली। संसद के आगामी विशेष सत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े विधेयकों को लेकर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, बीजू जनता दल और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया है कि सरकार महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। इससे लोकसभा में उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व का अंतर बढ़ सकता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसएसपी) ने अपने सभी सांसदों को विशेष सत्र के दौरान सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि विनिर्माण क्षेत्र को गति देने में विफल मोदी सरकार अब लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत का कृत्रिम रास्ता तैयार करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस इसका पूरी ताकत से विरोध करेगी।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।



- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735



4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735





संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.



राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

आईजीआरएस पर खराब फीडबैक वाले अधिकारियों से मांगा स्पष्टीकरण

30 नवंबर तक संतुष्ट फीडबैक में सुधार लाने की चेतावनी, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर अब कार्रवाई की तैयारी है। शुक्रवार को संगम सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की। इस दौरान 50 प्रतिशत से कम संतुष्ट फीडबैक वाले विभागीय अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया।



डीएम ने अधिशासी अभियंता जल निगम, जिला प्रोबेशन अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, खान निरीक्षक, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी, महाप्रबंधक दुग्ध विकास और जिला समन्वयक कौशल सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को संतुष्ट फीडबैक में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने 30 नवंबर तक हर हाल में प्रगति सुनिश्चित करने को कहा।

जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसलिए शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता के लिए न किया जाए, बल्कि गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए। सभी शिकायतकताओं से अनिवार्य रूप से वार्ता कर उनका फीडबैक प्राप्त किया जाए। शिकायतों के निस्तारण के बाद उसकी गुणवत्ता का परीक्षण भी कराया जाए, जिससे शिकायतकर्ता की वास्तविक संतुष्टि का पता चल सके।

उन्होंने लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निस्तारित कर पोर्टल पर समय से रिपोर्ट अपलोड करने के निर्देश दिए। बार-बार आने वाली शिकायतों के कारणों की पहचान कर उनका स्थायी समाधान करने को भी कहा। डीएम ने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, उदासीनता या अनावश्यक देरी मिलने पर संबंधित अधिकारियों के

पुलिस मुठभेड़ में दो गोतस्कर घायल, गिरफ्तार; तमंचे और पशु काटने के औजार बरामद



सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस और गोतस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया है। उनके कब्जे से दो तमंचे, कारतूस, बाइक और पशु काटने के उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, 26/27 नवंबर की रात अहमदगढ़ पुलिस खेलिया पुल के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वे बाइक मोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर घेराबंदी की तो बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिलशाद निवासी मलकपुर थाना अनूपशहर और गुलफाम निवासी बरारी थाना अहमदगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से दो तमंचे 315 बोर, दो जिंदा और दो खोखा कारतूस, पशु काटने के उपकरण तथा बिना नंबर की हीरो स्प्लेंडर बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने 25/26 नवंबर की रात अहमदगढ़ क्षेत्र में गोवध की घटना को अंजाम दिया था।

सीपीआर देकर यात्री की जान बचाने वाले आरक्षी प्रेमशंकर भारद्वाज सम्मानित

पुलिस महानिदेशक रेलवे ने प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार देकर बढ़ाया हौसला, आगरा कैंट स्टेशन पर दिखाई थी तत्परता



सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ। रेलवे स्टेशन पर अचानक अचेत होकर गिरे यात्री को सीपीआर देकर उसकी जान बचाने वाले जीआरपी के आरक्षी प्रेमशंकर भारद्वाज को पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी. ने सम्मानित किया। शुक्रवार को जीआरपी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान कर उनकी कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की गई।

आरक्षी प्रेमशंकर भारद्वाज आगरा कैंट जीआरपी थाने में तैनात हैं। 24 नवंबर को रेलवे स्टेशन परिसर में एक पुरुष यात्री अचानक अचेत होकर गिर पड़ा था। इसकी जानकारी मिलते ही आरक्षी ने बिना देर किए मौके पर पहुंचकर यात्री को सीपीआर देना शुरू किया। उनकी तत्परता, प्रशिक्षण और सूझबूझ से यात्री की जान बचाई जा सकी।

आरक्षी के इस सराहनीय कार्य की मौके पर मौजूद यात्रियों और आम लोगों ने भी प्रशंसा की थी। पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी. ने कहा कि राजकीय रेलवे पुलिस यात्रियों की सुरक्षा के साथ उनकी सहायता और मानवीय सेवा के लिए भी प्रतिबद्ध है। ऐसे जीवनरक्षक और प्रेरणादायी कार्य पुलिस बल के अन्य जवानों के लिए भी अनुकरणीय हैं।

उन्होंने आरक्षी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके कार्य की सराहना की और अन्य पुलिसकर्मियों को भी इसी तरह कर्तव्यनिष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

बिजनौर में गंगा स्नान के दौरान बड़ा हादसा, एक ही परिवार के तीन लोग डूबे, 14 वर्षीय किशोरी को बचाया



सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, बिजनौर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गंगा स्नान करने पहुंचे एक ही परिवार के चार लोग गहरे पानी में डूबने लगे। हादसा बिजनौर के नांगल क्षेत्र में मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे हुआ। आसपास मौजूद लोगों ने 14 वर्षीय किशोरी दिव्यांगी को सकुशल बचा लिया, जबकि 22 वर्षीय महिला गुड़िया और दो किशोर सूरज उर्फ छोटू (16) तथा हर्ष सैनी (16) लापता हो गए।

जानकारी के अनुसार, नजीबाबाद के रामपुरा से एक ही परिवार के करीब 8 से 10 लोग गंगा स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान परिवार के चार सदस्य गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने बचाव का प्रयास करते हुए दिव्यांगी को पानी से बाहर निकाल लिया, लेकिन गुड़िया, सूरज और हर्ष का कोई पता नहीं चल सका। लापता गुड़िया (22) अरविंद की पत्नी हैं और रामपुरा, नजीबाबाद की निवासी हैं। सूरज उर्फ छोटू (16), राजकुमार के बेटे हैं, जबकि हर्ष सैनी (16), प्रमोद सैनी के बेटे हैं। हर्ष कक्षा 12 का छात्र है। वहीं, बचाई गई दिव्यांगी संजीव सैनी की बेटी है।

पुलिस और गोताखोर तलाश में जुटे

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंच गए। तीनों लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है। एसपी सिटी डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर मौजूद है और लापता लोगों की तलाश में जुटी हुई है। गंगा स्नान के दौरान हुए इस हादसे से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

कौशांबी पुलिस ने खोज निकाले 103 गुम मोबाइल, 22 लाख रुपये कीमत के फोन मालिकों को सौंपे

सीईआईआर पोर्टल और सर्विलांस की मदद से मिली सफलता, सरायअकिल थाना रहा अव्वल



स्वाती मिश्रा सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिले में मोबाइल फोन खोने की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 103 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 22 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मोबाइलों के असली स्वामियों की पहचान कर उन्हें फोन सौंप दिए।

पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के अनुसार, जिले के विभिन्न थानों में मोबाइल गुम होने की शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। इन पर कार्रवाई के लिए सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल की मदद ली गई। सर्विलांस और मैनुअल इनपुट के आधार पर पुलिस टीमों ने अलग-अलग कंपनियों के मोबाइल फोन ट्रेस किए। थानों पर तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर और सीसीटीएनएस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर मोबाइलों की बरामदगी में अहम भूमिका निभाई।

ऑनलाइन भी दर्ज करा सकते हैं शिकायत

पुलिस ने बताया कि सीईआईआर एक केंद्रीय पोर्टल है, जिसके माध्यम से गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रैक किया जा सकता है। मोबाइल खोने पर कोई भी व्यक्ति स्वयं वेबसाइट ceir.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकता है। थानों में मिलने वाले प्रार्थना पत्रों के आधार पर भी पोर्टल पर मोबाइल का विवरण दर्ज कर उसकी तलाश की जाती है। देश के किसी भी हिस्से में मोबाइल मिलने पर संबंधित थाने के माध्यम से उसे बरामद कर स्वामी को सौंपा जा सकता है।

इस अभियान में जिले के सभी थानों पर तैनात सीईआईआर पोर्टल के कंप्यूटर ऑपरेटर और सीसीटीएनएस पुलिस टीम शामिल रही।

एसपी ने पुलिस लाइन में परेड की सलामी लेकर किया निरीक्षण

पुलिसकर्मियों को अनुशासन और फिटनेस बनाए रखने के दिए निर्देश



सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने शुक्रवार को पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में साप्ताहिक परेड की सलामी ली और निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों की शारीरिक दक्षता और अनुशासन परखा।

परेड में पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं, यातायात शाखा और पुलिस लाइन में तैनात अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए दौड़ कराई गई। इसके बाद टोलीवार ड्रिल का अभ्यास कराया गया। एसपी ने परेड में अनुशासन और एकरूपता बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

परेड के बाद एसपी ने साप्ताहिक अर्दली रूम में विभिन्न रजिस्टरों का निरीक्षण किया। अभिलेखों के रखरखाव और कार्यप्रणाली को लेकर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संविधान की गरिमा और लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं की भूमिका अहम : सतीश चंद्र दुबे



बगहा में संविधान गौरव दिवस पर आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री ने किया संबोधित

सबसे तेज प्रयागराज

बगहा। केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने शुक्रवार को डिग्री कॉलेज, बड़गांव, बगहा में संविधान गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संविधान की महत्ता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से विचार रखे।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान विश्व के सबसे विस्तृत संविधानों में से एक है। इसकी मूल भावना प्रत्येक नागरिक को न्याय, समानता और अधिकारों की गारंटी देना है। संविधान महज एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा और राष्ट्रीय एकता का मजबूत आधार है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करना सभी का अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर संवैधानिक मयार्दाओं का उल्लंघन, जनादेश का अपमान और अराजकता फैलाना उचित नहीं है। कांग्रेस और विपक्ष के कुछ दलों का राजनीतिक स्वार्थ संविधान एवं लोकतंत्र से ऊपर नहीं हो सकता।

उन्होंने युवाओं से संविधान की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने तथा देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कहा कि उन्हें विश्वास है कि देश का युवा किसी भी असंवैधानिक आचरण को स्वीकार नहीं करेगा। विपक्ष की अराजकता फैलाने की कोशिशें सफल नहीं होंगी। देश की जनता विकास, सुशासन और राष्ट्रहित के संकल्प के साथ खड़ी है।

कार्यक्रम में बगहा विधायक राम सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अचिंत्य कुमार, अमर सिंह, कॉलेज के प्राचार्य संजीव कुमार सहित शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थी, युवा और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैडमिंटन-टेबल टेनिस प्रतियोगिता में फतेहपुर की महिला आरक्षियों ने जीते दो पदक



ममता शर्मा और दीपिका ने टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण, ओपन डबल्स में कांस्य पदक हासिल किया

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित तृतीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस क्लस्टर प्रतियोगिता में फतेहपुर पुलिस की दो महिला आरक्षियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। महिला आरक्षी ममता शर्मा और दीपिका ने प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर उत्तर प्रदेश पुलिस का गौरव बढ़ाया।

19 से 24 नवंबर तक वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित प्रतियोगिता की टेबल टेनिस स्पर्धा में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि ओपन डबल्स स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर उपलब्धि अपने नाम की। दोनों महिला आरक्षियों की इस सफलता पर फतेहपुर पुलिस में खुशी का माहौल है। उनकी उपलब्धि को पुलिस विभाग के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए उनके खेल प्रदर्शन की सराहना की जा रही है।

साइबर ठगी के शिकार युवक को वापस मिले एक लाख रुपये

यूपीआई के जरिए 1.50 लाख रुपये की हुई थी धोखाधड़ी, साइबर सेल की त्वरित कार्रवाई से मिली राहत



सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। यूपीआई के माध्यम से साइबर ठगी के शिकार युवक को कौशांबी पुलिस ने राहत दिलाई है। साइबर सेल और साइबर क्राइम थाना की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी की रकम में से एक लाख रुपये पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दिए।

सरायअकिल थाना क्षेत्र के इमली गांव निवासी कार्तिक मिश्रा पुत्र शिवाकांत मिश्रा के साथ 19 नवंबर 2026 को यूपीआई के माध्यम से 1.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज कराई थी। शिकायत संख्या 23111260231494 के आधार पर मामले की जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक कौशांबी के निर्देशन में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जनपदीय साइबर सेल और साइबर क्राइम थाना की टीम ने मामले में कार्रवाई की। इसके परिणामस्वरूप 27 नवंबर को पीड़ित के खाते में एक लाख रुपये वापस करा दिए गए। खाते में ठगी की रकम वापस मिलने पर कार्तिक मिश्रा ने कौशांबी पुलिस का आभार जताया। हालांकि, धोखाधड़ी की शेष 50 हजार रुपये की धनराशि की वापसी के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

गुरु रविदास के विचार सामाजिक समरसता और समानता के प्रेरणास्रोत : केशव मौर्य

मेरठ में 650वीं जयंती पर आयोजित समरसता संकल्प यात्रा महासभा में हुए शामिल, गरीब कल्याण अन्न योजना को बताया गुरु रविदास के विचारों का प्रतिबिंब



सबसे तेज प्रयागराज

मेरठ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के विचार सामाजिक समरसता, समानता, बंधुत्व और मानवता के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उनका जीवन दर्शन भेदभाव और ऊंच-नीच से मुक्त समतामूलक समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है।

शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री मेरठ में संत गुरु रविदास की 650वीं जयंती पर आयोजित समरसता संकल्प यात्रा महासभा में शामिल हुए। उन्होंने गुरु रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्हें गुरु रविदास की पवित्र चरण पादुकाएं अपने शीश पर धारण करने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ।

महासभा को संबोधित करते हुए केशव मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के करीब 80 करोड़ जरूरतमंद लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। यह योजना गुरु रविदास के 'जहां मिले सबन को अन्न' के संदेश को साकार करने का प्रयास है। सरकार का संकल्प है कि कोई भी गरीब भूखा न सोए।

उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। सामाजिक समरसता का अर्थ सभी को समान अवसर, सम्मान और अधिकार दिलाना है।

सीएचसी में बाल विवाह के खिलाफ गोष्ठी, अधीक्षक डॉ. बी. के. स्नेही ने दिलाई शपथ

संजीव विश्वकर्मा सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। स्योहारा शासन के निदेशों के क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में शुक्रवार को बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी. के. स्नेही ने की।



गोष्ठी में डॉ. स्नेही ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और गैर-कानूनी कृत्य है। इससे बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और विकास में बाधा आती है और उनके सपने अधूरे रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह को रोकना केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। सभी स्वास्थ्य कर्मी गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करें।

इसके बाद डॉ. स्नेही ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई।

बाल विवाह के खिलाफ शपथ

बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और गैर-कानूनी कृत्य है, जो बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और विकास में बाधा डालता है तथा उनके सपनों को साकार होने से रोकता है। इसलिए मैं शपथ लेता/लेती हूँ कि मैं बाल विवाह के खिलाफ हर संभव प्रयास करूँगा/करूँगी, यह सुनिश्चित करूँगा/करूँगी कि मेरे परिवार, पड़ोस और समुदाय में किसी बालिका का बाल विवाह न होने पाए, ऐसे किसी भी प्रयास की सूचना पंचायत और सरकार को दूँगा/दूँगी, बच्चों की शिक्षा एवं सुरक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद करूँगा/करूँगी और बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण में योगदान दूँगा/दूँगी।

शपथ के बाद सभी ने संकल्प लिया कि वे बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान देंगे और बाल विवाह की सूचना मिलने पर तुरंत प्रशासन को अवगत कराएंगे।

डॉ. स्नेही ने बताया कि ब्लॉक स्योहारा के सभी पीएचसी, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और उपकेंद्रों पर भी बाल विवाह के खिलाफ जनजागरूकता गोष्ठी आयोजित कर शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर डॉ. अभिजीत भारद्वाज, डॉ. रहमत, आईओ वीर सिंह, एचआई राजेश कुमार, फार्मासिस्ट प्रदीप रावत, योगेश कुमार, हरीश कुमार, एलटी राहुल, स्नेहलता, नेत्र परीक्षण अधिकारी धीरेन्द्र सिंह, उमेश कुमार, सुमित कुमार, स्टाफ नर्स चित्रा, रसीदा, सीएचओ चंद्रशेखर, अमित कुमार, एएनएम दुशाला शर्मा, डार्क रूम असिस्टेंट राहुल कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

एडीजी : मोहित अग्रवाल बने प्रयागराज के नए कमिश्नर, पीयूष मोर्डिया को लखनऊ भेजा



हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने और प्रशासनिक मशीनरी में कसावट लाने की कवायद के तहत शासन ने शुक्रवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 28 अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। इस अहम तबादला सूची में 1997 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और एडीजी रैंक के अफसर मोहित अग्रवाल को प्रयागराज का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। वहीं, निवर्तमान पुलिस आयुक्त पीयूष मोर्डिया को स्थानांतरित कर पुलिस मुख्यालय, लखनऊ में एडीजी (स्थापना) के महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही वाराणसी कमिश्नरेट की कमान लखनऊ रेंज के आईजी रहे किरण एस. को दी गई है।

आगामी चुनावों और अपराध नियंत्रण पर रहेगा फोकस

शासन के इस निर्णय को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और संगम नगरी में अपराध नियंत्रण की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। वाराणसी कमिश्नरेट का नेतृत्व कर चुके मोहित अग्रवाल की गिनती प्रदेश के तेजतर्रार और सख्त प्रशासक अफसरों में होती है। प्रयागराज में संगठित अपराध, भू-माफियाओं की सक्रियता, साइबर ठगी और ध्वस्त होती यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाना उनकी प्राथमिकताओं में शुमार रहेगा।

हाई-प्रोफाइल अभियानों का लंबा अनुभव

बरेली के मूल निवासी और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक (बीई) व इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग में पीजी डिप्लोमा धारक मोहित अग्रवाल का ट्रैक रिकॉर्ड बेहद प्रभावी रहा है। यूपी एटीएस में आईजी और एडीजी के पद पर रहते हुए उन्होंने कई संवेदनशील आतंकी मॉड्यूल ध्वस्त किए। इसके अलावा कानपुर रेंज में तैनाती के दौरान चर्चित बिकरू कांड से जुड़े मामलों की जांच और फरुर्खाबाद के बहुचर्चित बंधक कांड में 'ऑपरेशन मासूम' को सफल बनाने में उनकी निर्णायक भूमिका रही है। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें 2023 में 'प्रेसिडेंट्स पुलिस मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस', 2013 में 'पुलिस मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस', यूएनएमआईके मेडल, कुंभ सेवा मेडल और आईआईएम मुंबई के विशिष्ट पूर्व छात्र सम्मान से नवाजा जा चुका है।

अब कमिश्नर के रूप में उनकी दूसरी पारी से शहरवासियों को बेहतर सुरक्षा और त्वरित न्याय की उम्मीद है।

संगम नगरी की नब्ज से भलीभांति वाकिफ हैं नए सीपी

मोहित अग्रवाल के लिए प्रयागराज कोई नया कार्यक्षेत्र नहीं है। लगभग तीन दशकों के अपने प्रशासनिक करियर में वे यहां कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। वर्ष 2012 के कुंभ मेले की तैयारियों के बीच उन्होंने एसएसपी कुंभ के रूप में अपनी प्रशासनिक क्षमता का लोहा मनवाया था। इसके पश्चात उन्होंने जिले के एसएसपी और पदोन्नति के बाद डीआईजी/एसएसपी इलाहाबाद के तौर पर भी कानून-व्यवस्था की कमान संभाली। अगस्त 2018 में उन्हें आईजी रेंज प्रयागराज बनाया गया, जहां जनवरी से मार्च 2019 तक आयोजित हुए भव्य महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालुओं और विशिष्ट अतिथियों की सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन की सफल रणनीति उन्हीं के नेतृत्व में तैयार हुई थी। शहर की भौगोलिक संरचना और अपराध के तौर-तरीकों की उनकी यह गहरी समझ कमिश्नरेट पुलिसिंग को नई धार देगी।

महफूज अहमद को अल्पसंख्यक मोर्चा का क्षेत्रीय मंत्री बनाये जाने से उत्साह



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी में महफूज अहमद को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र का क्षेत्रीय मंत्री बनाये जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। रेरुआ में कार्यकर्त्ताओं की बैठक में कहा गया कि महफूज अहमद जैसे काबिल और मेहनती को पार्टी नेतृत्व ने जिम्मेदारी सौंपकर बड़ा सटीक निर्णय लिया है। उधर, महफूज अहमद ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि पार्टी नेतृत्व की उम्मीद पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। बैठक में नवाब खान, मोहम्मद इम्तियाज, सलीम जफर, तुफैल आदि प्रमुख लोग मौजूद रहे।

पांच साल से पुराने राजस्व मुकदमे दिसंबर तक निपटाने का निर्देश

डीएम ने तहसीलवार की समीक्षा, वरासत और दाखिल-खारिज के लंबित मामलों को शत-प्रतिशत निस्तारित करने को कहा



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राजस्व से जुड़े लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी लाने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को संगम सभागार में तहसीलवार राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने पांच वर्ष से अधिक पुराने वादों को दिसंबर माह तक हर हाल में निस्तारित करने को कहा।

जिलाधिकारी ने स्वामित्व, अंश निर्धारण, पैमाइश और अवैध कब्जे से जुड़े मामलों की समीक्षा की। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों और तहसीलदारों को इन प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्विवादित वरासत के मामलों का शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।

डीएम ने दाखिल-खारिज के बाद खतौनी में अमलदरामद की कार्रवाई प्राथमिकता से पूरी कराने और इसमें लंबित सभी मामलों का शत-प्रतिशत निस्तारण करने के निर्देश दिए। आय, निवास और जाति प्रमाणपत्र से जुड़े आवेदनों को निर्धारित समयसीमा में निस्तारित करने को भी कहा।

उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व से संबंधित मामलों के निस्तारण में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए।

बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय में 30 नवंबर को लगेगा मेगा जॉब फेयर

25 कंपनियां करेंगी प्रतिभाग, युवाओं को मिलेगा साक्षात्कार के जरिए नौकरी पाने का मौका



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय में 30 नवंबर को एक दिवसीय मेगा जॉब फेयर-2026 का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के सरपतिपुर परिसर स्थित मानस फार्म में लगने वाले इस रोजगार मेले में करीब 25 कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। इसमें पंजीकरण और सहभागिता पूरी तरह निःशुल्क रहेगी।

शुक्रवार को विश्वविद्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुलपति प्रो. बीबी तिवारी ने बताया कि क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, प्रयागराज और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से मेगा जॉब फेयर आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ उच्च शिक्षा को उद्योग और रोजगार से जोड़ना है।

उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, रिटेल, विनिर्माण, ऑटोमोबाइल और वेयरहाउसिंग समेत विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां हिस्सा लेंगी। अंतिम वर्ष के विद्यार्थी, स्नातक और परास्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी, डिप्लोमा धारक तथा अन्य पात्र युवा इसमें शामिल हो सकेंगे। कंपनियों की ओर से विभिन्न पदों पर साक्षात्कार, प्रशिक्षु अवसर और रोजगार के विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे।

कुलपति ने कहा कि इस तरह के आयोजन से युवाओं के कौशल विकास और रोजगारपरक क्षमता को बढ़ावा मिलता है। क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के प्रतिनिधियों ने भी इस पहल को युवाओं को कंपनियों से सीधे जोड़ने का प्रभावी माध्यम बताया।

मेगा जॉब फेयर के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार तिवारी और समन्वयक शांतनु खरे ने तैयारियों तथा कंपनियों के साथ समन्वय की जानकारी दी। आयोजन की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय का कॉर्पोरेट रिसोर्स सेल संभाल रहा है।

नौ साल की सेवा के बाद प्रयागराज से लखनऊ स्थानांतरित हुए दरोगा राजेंद्र पाल

नवाबगंज थाने में सहकर्मियों ने दी विदाई, प्रयागराज की जनता के प्यार और सहयोग को बताया अविस्मरणीय



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। करीब नौ साल तीन माह तक संगम नगरी में पुलिस विभाग में सेवाएं देने के बाद उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार पाल का स्थानांतरण कमिश्नरेट लखनऊ हो गया। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर हुए स्थानांतरण के बाद उन्होंने प्रयागराज के पुलिस अधिकारियों, सहकर्मियों और आम जनता के प्रति आभार जताया।

राजेंद्र कुमार पाल ने 29 अगस्त 2017 को थाना मांडा से उप निरीक्षक के रूप में अपनी सेवा शुरू की थी। इसके बाद फूलपुर और कर्नलगंज थानों में तैनात रहे। 19 फरवरी 2024 को उन्हें थाना नवाबगंज में तैनाती मिली। यहां से 26 नवंबर 2026 तक उन्होंने अपनी सेवाएं दीं।

अपने विदाई संदेश में उन्होंने सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव श्यामजीत पर्मिला सिंह और नवाबगंज के प्रभारी निरीक्षक पंकज अवस्थी के मार्गदर्शन और सानिध्य में काम करने के अनुभव को याद किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में सेवा के दौरान उच्चाधिकारियों का मार्गदर्शन और पुलिस परिवार के सभी सदस्यों का अतुलनीय सहयोग मिला। वहीं, प्रयागराज की जनता से मिले प्यार और स्नेह के लिए वह सदैव आभारी रहेंगे। उन्होंने लखनऊ में नई जिम्मेदारी के लिए सभी से आशीर्वाद की कामना की। अपने संदेश के अंत में कबीर के दोहे 'कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर, ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर' के जरिए निष्पक्षता और सद्भाव का संदेश भी दिया।

अंदावा चौराहे पर चला वाहन चेकिंग अभियान, कई वाहनों का चालान



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीसीपी यातायात के निर्देश पर शुक्रवार को अंदावा चौराहे पर यातायात पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया समेत छोटे-बड़े वाहनों की जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों का चालान भी किया गया।

अभियान में उपनिरीक्षक प्रमोद दुबे के साथ सुधीर, सतीश कुमार और आशीष कुमार शामिल रहे। पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी। साथ ही बिना जरूरी कागजात और नियमों की अनदेखी कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की।

जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति पर डीएम ने जताई नाराजगी, कार्यदायी संस्थाओं को समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश

एलएंडटी को सख्त चेतावनी, गजा इंजीनियरिंग को 15 जनवरी तक जलापूर्ति शुरू कराने का अल्टीमेटम



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को एनआईसी कक्ष में जल जीवन मिशन के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कार्यदायी संस्था एलएंडटी को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि लगातार समीक्षा के बावजूद अपेक्षित प्रगति नहीं होना ठीक नहीं है।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) को निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर नियमित जलापूर्ति हो रही है और जहां ओवरहेड टैंक (ओएचटी) का निर्माण शेष है, उनका जिलास्तरीय अधिकारियों से सत्यापन कराया जाए। साथ ही संबंधित कार्यों की कार्ययोजना प्रस्तुत करने और निर्माण कार्यों में पर्याप्त श्रमिक लगाने के निर्देश दिए।

बैठक में गजा इंजीनियरिंग को दिसंबर तक 100 प्रतिशत इंटेक वेल का कार्य पूरा करने तथा डब्ल्यूटीपी का इलेक्ट्रिकल कार्य 10 जनवरी तक पूर्ण करने को कहा गया। इसके साथ ही 15 जनवरी तक जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, वीपीआरपीएल को दिसंबर तक जलापूर्ति शुरू कराने की समयसीमा दी गई।

डीएम ने सड़क पुनर्स्थापन के कार्यों में तेजी लाने के साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने को कहा। अधिशासी अभियंता विद्युत को लंबित विद्युत कनेक्शन तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं, डीपीआरओ और डीआईओएस को जल सारथी ऐप के निर्धारित लक्ष्य पूरे करने तथा टीपीआई को नियमित गुणवत्ता जांच कर अगली बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

धन-धान्य कृषि योजना और फार्मर रजिस्ट्री में लापरवाही पर सीडीओ सख्त

शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के निर्देश, अनुपस्थित सिंचाई अधिकारी से मांगा स्पष्टीकरण



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति को लेकर शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने समीक्षा बैठक की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करने और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में सीडीओ ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य और उद्यान विभाग के अधिकारियों से विभागीय पोर्टल पर अद्यतन आंकड़े शीघ्र दर्ज कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि योजनाओं की प्रगति नियमित रूप से अपडेट की जाए और इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को भी दी जाए। फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा के दौरान उन्होंने विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और जिले की रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। कार्यों में किसी तरह की लापरवाही न बरतने की हिदायत भी दी।

बैठक में सिंचाई विभाग के अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर सीडीओ ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए।

कब्जा करने को लेकर हुई मारपीट के मामले में कोर्ट के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। थाना क्षेत्र के मैलहा गांव में आबादी की जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद में मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता विमला देवी पत्नी स्वर्गीय भैया राम ने आरोप लगाया कि 24 जून 2026 को गांव के अरविंद कुमार, नंदलाल, अशोक कुमार, मनोज कुमार, अमन उर्फ किशन, रेनू देवी समेत कुछ अज्ञात लोग लाठी-डंडे लेकर उनकी आबादी की जमीन पर कब्जा करने पहुंचे। विरोध करने पर आरोपियों ने परिवार के साथ मारपीट की और घर का सामान तोड़ दिया। बीच-बचाव करने आए बेटे श्यामबाबू को भी मारा पीटा। पीड़िता का कहना है कि शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। थाने से लेकर उच्च अधिकारियों तक शिकायत के बाद भी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ, तब उन्होंने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर बहरिया थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मांगों को लेकर प्रधान संघ ने डीएम कार्यालय घेरा, किया प्रदर्शन

15 लाख रुपये के गबन के आरोपित सचिव पर एफआईआर और प्रधान प्रशासकों को मानदेय देने की उठाई मांग



मौजी लाल रावत सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विभिन्न मांगों को लेकर अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संगठन ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। भ्रष्टाचार के आरोपित सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने, प्रधान प्रशासकों को मानदेय देने और ग्राम पंचायतों की लंबित धनराशि जारी करने की मांग को लेकर प्रधानों ने नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय का घेराव किया। बाद में छह सूत्री मांगपत्र एडीएम प्रशासन को सौंपा।

संगठन के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नीलम पथिक और प्रदेश सचिव जगदीश गुप्ता के नेतृत्व में विभिन्न ब्लॉकों के प्रधान और पदाधिकारी जिला पंचायत कार्यालय पर एकत्र हुए। यहां से पैदल मार्च करते हुए डीएम कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारी जिला पंचायत कार्यालय से डीएम कार्यालय तक भ्रष्टाचार बंद करो, कमीशनखोरी बंद करो और ग्राम प्रधानों को न्याय दो के नारे लगाते रहे। इसके बाद डीएम कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए।

इस दौरान वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी और जिला पंचायत सदस्य सिद्धनाथ मौर्य ने आरोप लगाया कि एक सचिव पर करीब 15 लाख रुपये के गबन का आरोप है, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित सचिव को डीपीआरओ और सीडीओ समेत विभाग के कुछ अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। लिलहट, तिसौरा और अहियापुर गांवों में सरकारी धन की कथित गड़बड़ी की धनराशि भी वापस नहीं कराई गई है। इससे ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों में नाराजगी है।

प्रधान संघ ने प्रधान प्रशासकों को मानदेय देने, कल्याण कोष की स्थापना, 10 लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा, केंद्र और राज्य वित्त की लंबित किस्तें जारी करने समेत अन्य मांगें उठाईं। संगठन ने चेतावनी दी कि ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक प्रदर्शन और ज्ञापन देने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो प्रदेश मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। साथ ही भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों की शिकायत उच्च स्तर पर की जाएगी।

प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष सुरेश चंद तिवारी, फूलपुर ब्लॉक अध्यक्ष मौजी लाल रावत, सचिव धर्मपाल बिंद, अनूप बिंद, अजीत पटेल, मनोज पटेल, शैलेंद्र कुमार पटेल, अनिल कुशवाहा, जय कुमार यादव, कमलेश कुमार यादव और यशवंत यादव सहित कोरांव, मेजा, होलागढ़, बहरिया, हंडिया, प्रतापपुर और बहादुरपुर समेत विभिन्न ब्लॉकों के पदाधिकारी शामिल रहे।

177 ग्राम प्रहरियों को साइकिल और टॉर्च वितरित, नकद पुरस्कार की भी घोषणा

तीन माह तक गांव में अपराध न होने पर मिलेगा 2500 रुपये का इनाम, समय से सूचना देने पर भी प्रोत्साहन राशि



सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। गांवों में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने में ग्राम प्रहरियों की भूमिका को मजबूत करने के लिए पुलिस विभाग ने पहल की है। शुक्रवार को पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जिले के 177 ग्राम प्रहरियों (चौकीदारों) को साइकिल, टॉर्च, लाल साफा, धोती और पहचान पत्र वितरित किए।

इस दौरान एसपी ने ग्राम प्रहरियों का उत्साह बढ़ाने के लिए नकद पुरस्कार देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में किसी घटना की रोकथाम के लिए समय रहते सूचना देने वाले ग्राम प्रहरी को एक हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं, लगातार तीन माह तक गांव में कोई घटना नहीं होने पर संबंधित ग्राम प्रहरी को 2500 रुपये से पुरस्कृत किया जाएगा।

कार्यक्रम में प्रत्येक ग्राम प्रहरी को एक साइकिल, एक टॉर्च, दो मीटर लाल साफा, तीन धोती और आधिकारिक पहचान पत्र दिया गया। एसपी ने कहा कि ग्राम प्रहरी गांवों में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों और आपराधिक घटनाओं की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

उन्होंने सभी ग्राम प्रहरियों से अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराध की जानकारी तत्काल संबंधित थाने को देने की अपील की। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी लाइन सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

छूटे मतदाताओं के नाम जुड़वाने को घर-घर जागरूकता अभियान चलाएं संगठन



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में छूटे हुए और नए युवा मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। शुक्रवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने संगम सभागार में सिविल डिफेंस, व्यापार मंडल और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने 28 और 29 नवंबर को होने वाले विशेष अभियान दिवस पर पात्र लोगों को बूथ तक पहुंचाकर फार्म-6 भरवाने में सहयोग की अपील की।

जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। इसके लिए सिविल डिफेंस, व्यापार मंडल और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें। खासकर युवाओं और उन लोगों को अभियान से जोड़ें, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान दिवस पर सभी बूथों पर बीएलओ मौजूद रहेंगे और पर्याप्त संख्या में फार्म-6 उपलब्ध रहेंगे।

ऑनलाइन भी कर सकते हैं आवेदन

जिलाधिकारी ने बताया कि पात्र नागरिक आयोग के एउक्तएळ मोबाइल एप और वेबसाइट https://voters.eci.gov.in के माध्यम से भी ऑनलाइन फार्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करा सकते हैं। उन्होंने शहर की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में पुनरीक्षण कार्य की धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए संगठनों के प्रतिनिधियों से अभियान को गति देने को कहा।

संपादकीय

सियासत का नया कंसोल, 'जीटीए 6' का बुखार और चुनावी मिशन!

दुनिया भर के गेम लवर्स ने जिस 'ग्रैंड थेफ्ट ऑटो 6' (जीटीए 6) का 13 साल तक बेसब्री से इंतजार किया, उसके बाजार में आते ही भारतीय राजनीति का कंट्रोलर भी अचानक सक्रिय हो गया है। हमारे देश के राजनेताओं की यही सबसे बड़ी खूबी है कि वे दुनिया के हर बड़े इवेंट में अपनी सियासी फसल बोने का हुनर बखूबी जानते हैं। गेमिंग की दुनिया में वर्चुअल गाड़ियां दौड़ें या न दौड़ें लेकिन सोशल मीडिया के हाई-वे पर राजनीतिक तंज की गाड़ियां फुल स्पीड में सरपट भागने लगी हैं। कहानी की शुरूआत बड़े आधुनिक अंदाज में हुई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीटीए 5 से जीटीए 6 के बीच के 13 वर्षों के सफर को देश के बदलते स्वरूप से जोड़ते हुए कहा कि भारत अब एक बिल्कुल नया खेल खेल रहा है। अब जब शीर्ष नेतृत्व ने गेमिंग की शब्दावली का श्रीगणेश कर दिया तो पार्टी की सोशल मीडिया टीम भला पीछे कैसे रहती। उन्होंने तुरंत इस डिजिटल अखाड़े को एक मल्टी-प्लेयर बैटलग्राउंड में तब्दील कर दिया और विपक्ष के चार दिग्गज नेताओं के लिए बाकायदा कस्टमाइज्ड पोस्टर लॉन्च कर दिए। साथ में गेमिंग की भाषा में एक चुटीला कैप्शन भी जड़ दिया कि इनके साथ तो टीम भी नहीं बनाई जा सकती। इन पोस्टरों की क्रिएटिविटी देखकर तो असली गेम डेवलपर्स भी एक बार को चकरा जाएं। हर नेता को उनकी पुरानी सियासी छवि और विवादों के हिसाब से एक अनोखा 'मिशन' सौंप दिया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सीमा की बाड़ के सामने खड़ा कर 'ग्रैंड थेफ्ट बॉर्डर' का टाइटल दिया गया, जहां उनका मिशन सीमा पार से आने वालों के लिए दरवाजे खोलना बताया गया है। दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को 'ग्रैंड थेफ्ट शीशमहल' के पोस्टर में शाही सिंहासन और झूमर के साथ दिखाते हुए तंज कसा गया कि सादगी का चोला ओढ़कर ऐसा आशियाना बनाया जाए, जिसे देखकर महाराजाओं को भी रश्क हो। उत्तर प्रदेश की सियासत का जिक्र हो और पुराने किस्से बाहर न निकलें, ऐसा भला कैसे हो सकता है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के हाथ में नल की टोंटी थमाकर 'ग्रैंड थेफ्ट टोंटी चोर' का पोस्टर जारी किया गया, जिसमें एक भी टोंटी न छोड़ने का मिशन दर्ज है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हिस्से में 'ग्रैंड थेफ्ट लूजर' का पोस्टर आया, जिसमें वे संसद के बाहर बैठे हैं और बगल में लगा स्कोरबोर्ड 99 चुनावी हारों के बाद शतक पूरा होने की उल्टी गिनती दिखा रहा है। दरअसल, आधुनिक भारतीय राजनीति में अब गंभीर वैचारिक बहसों की जगह मीम्स और पॉप-कल्चर के रेफरेंस ने ले ली है। पहले चुनाव के मैदान में बड़े-बड़े घोषणापत्र और भारी-भरकम भाषण गूंजते थे, लेकिन अब सारा खेल ग्राफिक्स और पंचलाइन पर सिमट आया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच की यह नोकझोंक किसी वीडियो गेम के लेवल जैसी हो गई है, जहां हर पार्टी दूसरे के पुराने रिकॉर्ड्स को 'चीट कोड' की तरह इस्तेमाल कर उसका गेम ओवर करने की फिराक में रहती है। आम जनता भी इस सियासी गेमिंग का भरपूर आनंद ले रही है। असली 'जीटीए 6' खेलने के लिए तो महंगे कंसोल और हाई-स्पीड इंटरनेट की जरूरत पड़ती है, लेकिन हमारे नेताओं की बदौलत देशवासियों को सोशल मीडिया पर ही मुफ्त का मनोरंजन मिल रहा है। बस देखना यह दिलचस्प होगा कि इस वर्चुअल गेमिंग वॉर में किसका मिशन कामयाब होता है और जनता किसके हाथ में सत्ता का असली रिमोट थमाती है।

जेलें मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाने के केन्द्र बने

किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपराधियों को कितनी कठोर सजा देता है, बल्कि इससे होती है कि वह अपराध करने वाले मनुष्य को सुधारने के कितने अवसर देता है। अपराध की गंभीरता को कम करना न्याय नहीं है, लेकिन अपराधी को हमेशा अपराध की पहचान से बांध देना भी न्याय की पूर्ण अवधारणा नहीं हो सकती। सजा आवश्यक है, किंतु सजा का अंतिम उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, सुधार, नवनिर्माण और समाज की सुरक्षा होना चाहिए। इसी मानवीय दृष्टि से अब समय आ गया है कि भारत की जेल व्यवस्था को एक नई सोच, नई भाषा और नई कार्यप्रणाली दी जाए। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य की सभी जेलों में बोर्ड ऑफ विजिटर्स गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेलों की आंतरिक व्यवस्था, बंदियों की समस्याओं, स्वास्थ्य, रहन-सहन, पुनर्वास तथा अधिकारों की निगरानी के लिए स्वतंत्र और संवेदनशील व्यवस्था बनाना निश्चित रूप से स्वागतयोग्य पहल है। बहुत जरूरत है कि दंड से सुधार, अपराधबोध से आत्मबोध और कारावास से पुनर्वास की ओर बढ़े भारतीय जेल व्यवस्था। इसे केवल किसी न्यायिक निर्देश की अनुपालना मानकर सीमित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि जेल सुधार की व्यापक राष्ट्रीय नीति का प्रारंभिक बिंदु बनाया जाना चाहिए।

जेल शब्द ही हमारी मानसिकता का दर्पण है। जेल सुनते ही हमारे मन में बंद दीवारें, सलाखें, अपराध, सजा और भय की तस्वीर उभरती है। क्या हम इस संस्थान को ऐसी भाषा दे सकते हैं, जो सुधार की



संभावना को सामने रखे? सुधारगृह, पुनर्वास केंद्र, मानव पुनर्निर्माण केंद्र, नवजीवन केंद्र अथवा मानव सुधार एवं पुनर्वास गृह जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। नाम बदलना मात्र प्रतीकात्मक कार्य नहीं होगा, यदि उसके साथ कार्यसंस्कृति भी बदले। दीवारों पर लिखे शब्द बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। व्यवस्था तब बदलती है जब उसके पीछे की सोच बदलती है। भारत की जेल व्यवस्था आज अनेक चुनौतियों से घिरी है। क्षमता से अधिक बंदी, बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी, कर्मचारियों की कमी, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, अपर्याप्त पुनर्वास व्यवस्था तथा कभी-कभी भेदभाव और दुर्व्यवहार की शिकायतें यह बताती हैं कि केवल कारागार भवनों का विस्तार पर्याप्त नहीं है। हमें अपराध प्रबंधन से आगे बढ़कर मानव पुनर्निर्माण की व्यवस्था विकसित करनी होगी।

जेल में बंद व्यक्ति अपराध कर सकता है, लेकिन वह केवल अपराध नहीं है। उसके भीतर एक मनुष्य भी है-जिसमें विचार बदलने, पश्चात्ताप करने, सीखने और नया जीवन शुरू करने की क्षमता हो सकती है। न्याय व्यवस्था उसके अपराध का निर्धारण करती है, लेकिन सुधार व्यवस्था उसके भविष्य की संभावना तलाश सकती है। इसलिए जेल प्रशासन को सुरक्षा और अनुशासन के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी सक्रिय होना चाहिए। यहीं से सुधारगृह की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रत्येक जेल में अच्छी पुस्तकालय व्यवस्था हो, नियमित खेलकूद हों, योग और ध्यान की गतिविधियां हों, प्रेरक व्याख्यान हों, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण हो, संगीत, कला, लेखन और हस्तशिल्प जैसी रचनात्मक गतिविधियां हों। कैदियों के लिए व्यक्तित्व विकास, क्रोध-प्रबंधन, नशामुक्ति, पारिवारिक संबंध, नैतिक शिक्षा और जीवन-कौशल की कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। उन्हें केवल यह न बताया जाए कि उन्होंने क्या गलत किया, बल्कि यह भी सिखाया जाए कि अब उन्हें सही दिशा में कैसे आगे बढ़ना है।

इस संदर्भ में भारत के अणुव्रत आंदोलन का अनुभव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आचार्य तुलसी के नेतृत्व में अणुव्रत आंदोलन ने प्रारंभ से ही व्यक्ति के भीतर नैतिक चेतना जगाने को परिवर्तन का आधार माना। जेलों में भी अणुव्रत के माध्यम से नैतिक जागरण, आत्मचिंतन, ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जुड़े कार्यक्रम चलाए गए। इसका मूल संदेश था कि मनुष्य को केवल उसके अतीत से नहीं, उसके परिवर्तन की संभावना से भी देखा जाना चाहिए। यह अनुभव आज की जेल सुधार नीति के लिए महत्वपूर्ण प्रेरणा बन सकता है। अपराध से लड़ने का एक रास्ता कठोरता है, लेकिन उससे अधिक स्थायी रास्ता चेतना का परिवर्तन है। जिस व्यक्ति को पुस्तक पढ़ने, किसी विद्वान को सुनने, ध्यान करने, योग सीखने, कोई हुनर विकसित करने और अपने जीवन पर विचार करने का अवसर मिलता है, उसके भीतर परिवर्तन के द्वार खुल सकते हैं। जेल में बंद व्यक्ति को समाज से काटकर रखना आवश्यक हो सकता है, लेकिन उसे मानवीय समाज से पूरी तरह विमुख कर देना आवश्यक नहीं है।

बोर्ड ऑफ विजिटर्स की नई व्यवस्था को भी इसी व्यापक दृष्टि से जोड़ा जाना चाहिए। बोर्ड केवल निरीक्षण करने वाला निकाय न हो, बल्कि जेल सुधार का संवेदनशील प्रहरी बने। वह बंदियों से सीधे संवाद करे, उनकी शिकायतें सुने, स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति देखे, कानूनी सहायता की उपलब्धता जांचे और पुनर्वास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन करे। उसकी रिपोर्टों के आधार पर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित किए जाएं। यदि संभव हो तो नागरिक समाज, शिक्षा, मनोविज्ञान, चिकित्सा, विधि, खेल, योग, आध्यात्म और सामाजिक सेवा से जुड़े विशेषज्ञों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए। साथ ही, विचाराधीन बंदियों की समस्या को अलग प्राथमिकता मिलनी चाहिए। जिसका अपराध अभी सिद्ध ही नहीं हुआ, उसके लंबे कारावास को न्याय के व्यापक उद्देश्य के संदर्भ में देखना होगा। त्वरित न्याय, प्रभावी कानूनी सहायता, जमानत व्यवस्था और वैकल्पिक उपायों को मजबूत किए बिना जेलों की भीड़ कम करना कठिन होगा।

सरकार को अब राष्ट्रीय जेल सुधारगृह कार्ययोजना जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक जेल के लिए सुधार का वार्षिक लक्ष्य तय हो। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, योग, ध्यान, खेल, पुस्तकालय, परिवार से संवाद और रिहाई के बाद पुनर्वास-इन सभी को एकीकृत योजना का हिस्सा बनाया जाए। जेल से बाहर आने वाले व्यक्ति को रोजगार, कौशल और सामाजिक पुनर्स्थापन से जोड़ने की व्यवस्था भी हो, ताकि वह पुनः अपराध की दुनिया में न लौटे। हरियाणा की पहल इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह जेल को केवल प्रशासनिक नियंत्रण के स्थान के रूप में देखने के बजाय उसके भीतर मानवीय जवाबदेही को मजबूत करने का अवसर देती है।

महिला सशक्तिकरण : 2014-2026 की यात्रा

बैंक खाते से कारोबार तक, शिक्षा से नेतृत्व तक—नारी शक्ति के बदलते भारत की कहानी जब महिला अपने पैरों पर खड़ी होती है, तो केवल एक व्यक्ति आत्मनिर्भर नहीं बनता, बल्कि पूरे परिवार की दिशा बदलने की संभावना पैदा होती है। लेकिन क्या बैंक खाता खुल जाना आर्थिक स्वतंत्रता है? क्या डिग्री मिल जाना बराबरी के अवसरों की गारंटी है? और क्या समाज वास्तव में सशक्त कहलाएगा, यदि महिलाओं को मेहनत के बावजूद सुरक्षा, सम्मान और निर्णय लेने की समान स्वतंत्रता न मिले?

वर्ष 2014 से 2026 तक भारत में महिला सशक्तिकरण ने शिक्षा, बैंकिंग, उद्यमिता, ग्रामीण आजीविका और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में नए अवसर देखे हैं। सरकारी योजनाओं के साथ महिलाओं की आकांक्षाएँ भी बदली हैं। फिर भी यह यात्रा अधूरी है, क्योंकि अवसरों का विस्तार और उनका वास्तविक लाभ प्रत्येक महिला तक पहुँचना दो अलग-अलग बातें हैं।

1. शिक्षा : सपनों को मिली नई उड़ान

उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी बढ़ी है। अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के अनुसार, महिलाओं का नामांकन 2014झ15 के 1.57 करोड़ से बढ़कर 2023झ24 में 2.24 करोड़ हो गया। यह वृद्धि बताती है कि अधिक महिलाएँ उच्च शिक्षा और व्यावसायिक अवसरों की ओर बढ़ रही हैं। लेकिन शिक्षा की अगली मंजिल रोजगार, उचित वेतन और नेतृत्व में समान अवसर है। ग्रामीण छात्राओं, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और महिलाओं के लिए सुरक्षित परिवहन, छात्रवृत्ति तथा रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

2. आर्थिक स्वतंत्रता : खाते से कारोबार तक

जनधन योजना ने महिलाओं की औपचारिक बैंकिंग तक पहुँच बढ़ाने में भूमिका निभाई। अप्रैल 2026 तक लगभग 57.99 करोड़ जनधन खाते थे, जिनमें करीब 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के नाम पर थे।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत 2015 से मार्च 2026 तक 57 करोड़ से अधिक ऋण खाते खोले गए। इनमें लगभग 60 प्रतिशत ऋण खाते महिलाओं के थे। यह महिलाओं की उद्यमिता को वित्तीय सहायता मिलने की दिशा में महत्त्वपूर्ण संकेत है, हालाँकि ऋण मिलना अपने आप सफल व्यवसाय या स्थायी आय की गारंटी नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों ने भी परिवर्तन का रास्ता बनाया है। जुलाई 2026 तक दीनदयाल अंत्योदय योजनाझराष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत लगभग 10.05 करोड़ ग्रामीण महिलाएँ 92 लाख स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी थीं। इन समूहों को बचत, ऋण, प्रशिक्षण और सामूहिक उद्यम के माध्यम से मजबूत बनाना महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने का महत्त्वपूर्ण माध्यम है।

3. रोजगार और नेतृत्व : अवसर बढ़े, चुनौतियाँ कायम

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर 2017झ18 के 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023झ24 में 41.7 प्रतिशत हुई। इसमें काम करने वाली और काम तलाशने वाली महिलाएँ दोनों शामिल हैं। वास्तविक रोजगार, आय की स्थिरता और काम की गुणवत्ता को भी साथ में देखना जरूरी है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व में भी बदलाव आया है। पंचायती राज संस्थाओं में लगभग 14.5 लाख निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की भागीदारी रही है। वर्ष 2023 का नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान करता है, जिसका लागू होना संबंधित जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया से जुड़ा है।

4. असली सशक्तिकरण के लिए क्या जरूरी है?

महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं और आँकड़ों से पूरा नहीं होगा। महिलाओं की सुरक्षा, समान अवसर, कौशल विकास, स्वास्थ्य, संपत्ति पर अधिकार और कार्यस्थल पर सम्मान सुनिश्चित करना होगा। घरेलू और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों का उचित बँटवारा भी जरूरी है, ताकि महिलाओं की प्रतिभा केवल घरेलू दायित्वों तक सीमित न रहे।

निष्कर्ष : 2047 का भारत, नारी शक्ति के बिना अधूरा

भारत विकास की गंगाझ2047 का लक्ष्य ऐसा समाज होना चाहिए, जहाँ महिला केवल विकास की लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की निमार्ता बने। जहाँ बेटी को शिक्षा, उद्यमी को पूँजी, कर्मचारी को समान अवसर और महिला नेतृत्व को निर्णय लेने की वास्तविक शक्ति मिले। याद रखिए—महिला सशक्तिकरण का अंतिम मापदंड यह नहीं कि कितनी योजनाएँ शुरू हुईं, बल्कि यह है कि कितनी महिलाओं के जीवन में स्वतंत्रता, सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक आत्मनिर्भरता का वास्तविक परिवर्तन आया। जब नारी को अवसर मिलेगा, तो परिवार मजबूत होगा; जब परिवार मजबूत होगा, तो समाज आगे बढ़ेगा; और जब समाज की आधी आबादी अपनी पूरी क्षमता से योगदान देगी, तभी विकसित भारत का सपना साकार होने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

आचार्य सी ए., प्रा., डॉ. शंकर घनशामदास अंदानी
अहिल्या नगर

त्योहार के अवसर और महंगाई : देश की प्रगति और समस्या

सी ए. डॉ. शंकर अंदानी

भारत विविध संस्कृतियों, परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं का देश है। यहाँ दीपावली, दशहरा, ईद, क्रिसमस, होली, गणेशोत्सव, नवरात्रि तथा अनेक त्योहार सामाजिक एकता, खुशियों और आर्थिक गतिविधियों का प्रतीक हैं। त्योहार केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि व्यापार, रोजगार, पर्यटन, परिवहन, कृषि और छोटे उद्योगों को गति देने का अवसर भी होते हैं। लेकिन त्योहारों के आगमन के साथ बढ़ती महंगाई सामान्य परिवार के बजट पर भारी दबाव डालती है। देश की आर्थिक प्रगति के बीच आम नागरिक की खरीद क्षमता और जीवनयापन की चुनौतियों का विश्लेषण आवश्यक है। भारत में 2014 से 2026 के बीच सड़क, डिजिटल भुगतान, बैंकिंग, परिवहन, बिजली, उद्योग, ऑनलाइन व्यापार और बुनियादी ढाँचे में व्यापक विस्तार हुआ है। बाजारों में ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान, आधुनिक परिवहन और नई व्यापारिक सुविधाओं ने उपभोक्ताओं के लिए अनेक विकल्प उपलब्ध कराए हैं। त्योहारों के समय बाजारों में खरीदारी बढ़ती है, दुकानदारों की बिक्री में वृद्धि होती है, अस्थायी रोजगार मिलता है तथा मिठाई, कपड़ा, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, सजावट और घरेलू सामान के कारोबार में गतिविधियाँ तेज होती हैं। सरकार के जीएसटी संग्रह, डिजिटल लेनदेन और औपचारिक अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी उपभोग का योगदान दिखाई देता है। परंतु विकास का वास्तविक मूल्यांकन केवल बाजार की बिक्री, जीडीपी या सरकारी राजस्व से नहीं, बल्कि आम नागरिक की जेब में बची रकम से भी होना चाहिए। त्योहारों के समय दूध, तेल, आटा, चावल, दाल, सब्जियों, मिठाइयों, फल, गैस सिलेंडर, कपड़े और परिवहन के खर्च बढ़ने से गरीब तथा मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट बिगड़ जाता है। जिन परिवारों की आय सीमित है, उनके लिए त्योहार खुशी के साथ आर्थिक चिंता भी लेकर आते हैं। महंगाई का प्रभाव विशेष रूप से दैनिक मजदूर, छोटे कर्मचारी, किसान, पेंशनधारक, रिक्शाचालक, छोटे दुकानदार और निम्न आय वाले परिवारों पर अधिक पड़ता है। एक परिवार यदि पूरे महीने भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, किराया और परिवहन पर खर्च करता है, तो त्योहारों के लिए अतिरिक्त राशि जुटाना कठिन हो जाता है। कई परिवार उधार, क्रेडिट कार्ड या किश्तों के माध्यम से त्योहार मनाते हैं। खुशी का अवसर कभी-कभी भविष्य की आर्थिक जिम्मेदारी बन जाता है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें परिवहन तथा माल ढुलाई लागत को प्रभावित करती हैं। इसका असर खाद्य सामग्री, बाजार में उपलब्ध वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ सकता है। घरेलू गैस की कीमत, बिजली बिल तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं के खर्च भी परिवारों की बचत को प्रभावित करते हैं। यदि आय की वृद्धि खर्चों की वृद्धि से कम हो, तो नागरिक की वास्तविक क्रय शक्ति कमजोर पड़ती है। यही वह चुनौती है जिस पर आर्थिक नीति निमार्ताओं को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

विश्व राजनीति में भारत की बुलंद आवाज थी इंदिरा

योगेश कुमार गोयल

भारतीय राजनीति में इंदिरा गांधी का व्यक्तित्व साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्णायक नेतृत्व का ऐसा अध्याय है, जिसने देश की दिशा और वैश्विक पहचान दोनों को प्रभावित किया। बैंकों के राष्ट्रीयकरण से लेकर 1971 की ऐतिहासिक विजय, आपातकाल और ऑपरेशन ब्लू स्टार तक, उनके फैसले इतिहास में अमिट हैं। उनकी राजनीतिक विरासत आज भी उपलब्धियों और विवादों के बीच बहस का विषय है।

पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर



पकड़ा था। इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, ह्यह्यआखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुर्व्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।ह्ल इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में ह्यगूंगी गुड़ियाह्ल की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक ह्यगूंगी गुड़ियाह्ल नहीं बल्कि ह्यलौह महिलाह्ल हैं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई। 1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगाववादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए। देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसी पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगाववादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी ह्यऑपरेशन ब्लू स्टारह्ल के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगाववादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगाववादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गई, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली। इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुई और अलगाववादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा ने अपनी हत्या का पूर्वाभास होने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा था, देश की सेवा करते हुए यदि मेरी जान भी चली जाए तो मुझे गर्व होगा। मुझे भरोसा है कि मेरे खून की एक-एक बूंद देश के विकास में योगदान देगी और देश को मजबूत एवं गतिशील बनाएगी। इंदिरा जी के इस भाषण के चंद घंटों बाद ही 31 अक्तूबर 1984 की सुबह करीब सवा नौ बजे उनके दो निजी अंगरक्षकों ने ही उन्हें उस वक्त गोलियों से छलनी कर दिया, जब वह अपने आवास से निकलकर विदेशी मीडिया को इंटरव्यू देने जा रही थी। उस हत्याकांड से जहां पूरे देश में शोक की लहर छा गई, वहीं दूसरी ओर इंदिरा जी का शहीदी रक्त रंग लाया और इस नृशंस हत्याकांड के बाद सिख अलगाववादियों को मदद मिलनी बंद हो गई तथा इंदिरा जी की शहादत के साथ ही खालिस्तान की मांग भी गहरे दफन हो गई। इंदिरा जी अक्सर कहा करती थी कि उन कायरों और बुजदिलों पर मातम करो, जो दुनिया के जुल्मों से घबराकर इस तरह आंखें बंद कर लेते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

माघ मेले की तैयारियों में तेजी, चार दिसंबर को होगा गंगा पूजन

15 दिसंबर तक सिक्सलेन ब्रिज की तीन लेन शुरू करने का लक्ष्य, मंडलायुक्त ने मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। माघ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने शुक्रवार को मेला अधिकारी ऋषिराज और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को 15 दिसंबर तक पार्ट चार्ट के साथ विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मेला तैयारियों के क्रम में चार दिसंबर को गंगा पूजन किया जाएगा।

मंडलायुक्त ने सबसे पहले सेक्टर-एक स्थित महावीर पोंटून ब्रिज का निरीक्षण किया। पीडब्ल्यूडी की ओर से कराए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति जानी और निर्धारित समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद संगम नोज और गंगा पट्टी का निरीक्षण किया। यहां गंदगी मिलने पर तत्काल सफाई कराने के साथ घाटों पर बोरियां लगवाने और श्रद्धालुओं की ओर से छोड़े जाने वाले फूल-मालाओं व दीपकों की नियमित सफाई कराने को कहा। संगम क्षेत्र में विद्युत पोल लगाने के कार्य का जायजा लेते हुए सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद मंडलायुक्त ने अधिकारियों के साथ बोट से झूंसी और यमुना पट्टी का निरीक्षण किया। यहां चल रहे लैंड लेवलिंग कार्यों की स्थिति देखी। गंगा और यमुना के जलस्तर की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि जलस्तर कम होने के साथ ही परिस्थितियों के अनुसार घाट निर्माण शुरू कराया जाए।

तीन लेन शुरू होने से मिलेगी राहत

सिक्सलेन ब्रिज के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि मलाका से स्टेनली रोड की ओर आने वाले ब्रिज की राइट हैंड साइड की तीन लेन 15 दिसंबर तक यातायात के लिए तैयार कर दी जाएंगी। इससे माघ मेले के दौरान लखनऊ, प्रतापगढ़ और अयोध्या से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। शहर और मेला क्षेत्र में यातायात का दबाव भी कम होगा।

मंडलायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्यों को समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करें। मेला क्षेत्र में स्वच्छता, प्रकाश, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े इंतजामों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

सड़क पर डीजे बजाने को लेकर भिड़े दो पक्ष, दो वाहन सीज



धाता रोड पर आवागमन बाधित होने पर मंझनपुर पुलिस ने की कार्रवाई, विवाद में शामिल लोग हिरासत में

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। मंझनपुर थाना क्षेत्र के धाता रोड पर सड़क के बीच डीजे वाहन खड़ा कर गाना बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और झगड़ा शुरू हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर खड़े दो डीजे वाहनों को सीज कर दिया। साथ ही विवाद में शामिल लोगों को हिरासत में लेकर निरोधात्मक कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, पिपरकुंडी निवासी सर्वेश कुमार और करारी निवासी राजेश कुमार का तरसौरा निवासी उमेश कुमार से सड़क पर डीजे वाहन खड़ा कर बजाने को लेकर विवाद हुआ था। इससे सड़क पर आवागमन बाधित होने के साथ शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बन गई। सूचना मिलते ही मंझनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभाली। पुलिस ने दोनों डीजे वाहनों को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया।

विवाद में शामिल लोगों के खिलाफ भी शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई की गई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सार्वजनिक मार्गों पर वाहन खड़ा कर आवागमन बाधित न करें। डीजे और अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का इस्तेमाल निर्धारित नियमों और मानकों के अनुसार ही करें।

लखनऊ में "संविधान रक्षा" मार्च, में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे होंगे शामिल : आराधना मिश्रा

लखनऊ

प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में कांग्रेस पार्टी ने संविधान दिवस पर गुरुवार को राष्ट्रव्यापी आंदोलन का आगाज किया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस आंदोलन का नेतृत्व करने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आज लखनऊ आ रहे हैं।



मोना ने कहा कि संविधान बदलने में नाकाम रहने के बाद अब भाजपा संविधान की आत्मा पर, यानी नागरिकों के वोट के अधिकार पर हमला कर रही है। जो सरकार जनता के वोट से नहीं डरती, वह जनता का वोट छीनने की साजिश नहीं करती। भाजपा की यह कोशिश बताती है कि वह उत्तर प्रदेश की जनता के फैसले से डरी हुई है। आराधना मिश्रा ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को देश ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नेतृत्व में तैयार संविधान को अंगीकार किया था। इस ऐतिहासिक दिन को 77 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इन 77 वर्षों में भारत के संविधान पर सबसे बड़ा हमला आज भाजपा की सरकार में हो रहा है।

मोना ने बताया कि खरगे गुरुवार दोपहर 12:40 बजे आंबेडकर महासभा, लखनऊ पहुंचकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के अस्थि कलश को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद दोपहर 1.00 बजे से 3.00 बजे तक वे "संविधान रक्षा" मार्च में शामिल होंगे। आराधना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने हमेशा देश को दिशा दी है। आज लखनऊ की सड़कों से एक बार फिर भाजपा को साफ संदेश जाएगा कि उत्तर प्रदेश की जनता संविधान और अपने वोट के अधिकार से छेड़छाड़ किसी कीमत पर नहीं सहेगी।

अपना दल (कमेरावादी) की रोजगार एवं भागीदारी यात्रा का सारनाथ से आगाज, विधायक पल्लवी पटेल भी हुईं शामिल

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के मद्देनजर अपना दल (कमेरावादी) ने गुरुवार को वाराणसी के ऐतिहासिक सारनाथ से 12 दिवसीय रोजगार एवं भागीदारी यात्रा का आगाज किया। पार्टी संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से निकाली गई इस यात्रा को पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा में सिराथू से विधायक पल्लवी पटेल भी स्कूटी पर सवार होकर शामिल हुईं।



यात्रा के शुभारंभ से पहले विधायक पल्लवी पटेल ने महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पार्टी नेताओं के मुताबिक यात्रा का समापन आठ दिसंबर को लखनऊ में प्रस्तावित महाआंदोलन के साथ होगा। यात्रा 28 नवंबर तक वाराणसी के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करेगी। इसके बाद 27 नवंबर को मिजार्पुर और चंदौली, 28 से 29 नवंबर तक जौनपुर, 29 नवंबर को सुल्तानपुर, 30 नवंबर को अयोध्या, एक दिसंबर को बाराबंकी, दो दिसंबर को लखीमपुर खीरी और सीतापुर, तीन दिसंबर को पीलीभीत और बरेली, चार दिसंबर को कानपुर और उन्नाव तथा पांच दिसंबर को रायबरेली पहुंचेगी। पार्टी की इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य युवाओं के लिए रोजगार,पिछड़े वर्गों की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर जनसमर्थन जुटाना

वारंटी बसंतलाल और विमलेश कुमारी गिरफ्तार कौशांबी पुलिस ने बिदांव गांव से दोनों को पकड़ा



सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कौशांबी थाना पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान बिदांव गांव निवासी बसंतलाल उर्फ रवि पुत्र स्व. रामकैलाश और विमलेश कुमारी पत्नी रामकैलाश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों के खिलाफ कौशांबी थाने में मुकदमा दर्ज है। न्यायालय से जारी वारंट के अनुपालन में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

दहेज में बुलेट और सोने की चेन न मिलने पर विवाहिता की मौत, पति गिरफ्तार



सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल और सोने की चेन की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने के आरोपित पति को पिपरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। विवाहिता ने 25 नवंबर को फांसी लगाकर जान दे दी थी। पिता की तहरीर पर पुलिस ने दहेज मृत्यु समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

प्रयागराज के लालापुर थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव निवासी श्यामलाल ने अपनी बेटी की शादी वर्ष 2024 में कौशांबी के पिपरी थाना क्षेत्र के कसेंदा गांव निवासी मनीष कुमार पुत्र चिरौंजी लाल के साथ की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति बुलेट मोटरसाइकिल और सोने की चेन की मांग को लेकर बेटी के साथ मारपीट करता था। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर बेटी ने 25 नवंबर को फांसी लगाकर जान दे दी।

मामले में पिता की तहरीर पर 26 नवंबर को पिपरी थाने में मुकदमा संख्या 299/2026 के तहत बीएनएस की धारा 80(2), 85 और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 में केस दर्ज किया गया था। शुक्रवार को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपित मनीष कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

सड़क किनारे अधेड़ का शव मिला, जांच में जुटी पुलिस

फरुर्खाबाद।

उत्तर प्रदेश में फरुर्खाबाद जिले के कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र में गुरुवार को अधेड़ मातादीन का शव मिला।सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यवाहक कोतवाल तेज सिंह ने बताया कि जहानगंज के ग्राम मिहदेल निवासी मातादीन (50) का शव मुर्हास कनहैया स्थित प्रभात ढाबा के निकट सड़क के किनारे पड़ा देखा गया।

मेडिकल कॉलेज और पुलिस लाइन में मनाया गया संविधान दिवस

देवरिया।

संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को महर्षि देवराहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय और पुलिस लाइन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान संविधान की प्रस्तावना का पाठ कर उसके मूल आदर्शों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मौलिक कर्तव्यों के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई।

महर्षि देवराहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के लेक्चर थिएटर- द्वितीय में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. रजनी के नेतृत्व में एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं और फैकल्टी सदस्यों ने संविधान की प्रस्तावना एवं मूल आदर्शों के प्रति निष्ठा की शपथ ली। प्राचार्य डॉ. रजनी ने विद्यार्थियों को संविधान के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि भारतीय संविधान लोकतंत्र की आधारशिला है। यह प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता का संदेश देता है। संविधान हमें अधिकारों के साथ-साथ राष्ट्र और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का भी बोध कराता है।



उन्होंने विद्यार्थियों को संवैधानिक मूल्यों को जीवन में आत्मसात कर जिम्मेदार नागरिक और संवेदनशील चिकित्सक बनने के लिए प्रेरित किया। कहा कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों का दायित्व है कि वे जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी मरीजों को समान भाव से चिकित्सा सेवाएं प्रदान करें। कार्यक्रम में डॉ. शालिनी गुप्ता, डॉ. संजय भट्ट, डॉ. शुभम पांडेय सहित अन्य फैकल्टी सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वहीं, पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना एवं मौलिक कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्शों को अपनाते हुए कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता से करने का संदेश दिया।

एसपी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता बनाए रखने, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने तथा कानून के शासन को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उपस्थित पुलिसकर्मियों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराते हुए शपथ दिलाई। जनपद के सभी थानों पर भी संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वाराणसी : विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने वरिष्ठ नागरिकों को पुष्प की माला पहनाकर किया सम्मान

वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर की कैंट विधानसभा सीट से विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने गुरुवार को कैण्ट मंडल के भाजपा कार्यकताओं के साथ माधोपुर में घर-घर जाकर क्षेत्रवासियों से मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने वरिष्ठ नागरिकों को पुष्प की माला पहनाकर उनका सम्मान किया।

विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि जनता के बीच रहना, उनके सुख-दुःख में सहभागी बनना और उनकी समस्याओं को सुनना ही जनसेवा का सच्चा भाव है।



अपनों के बीच बैठकर आज उनका कुशलक्षेम जाना, स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त कर उनकी समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ सुना। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों का पत्रक जन-जन तक पहुँचाते हुए वरिष्ठ नागरिकों का माला पहनाकर सम्मान किया है। साथ ही, नए मतदाताओं को लोकतंत्र की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए फॉर्म- 6 का वितरण किया।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों से मिले अपनत्व, विश्वास और आशीर्वाद ने मेरे जनसेवा के संकल्प को और मजबूत किया है। समस्याओं का समाधान और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हमारी निरंतर प्राथमिकता है। क्षेत्र वासियों का स्नेह और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है।

बागपत : बड़ौत में अवैध कॉलोनियों पर छह विभागों की टीम करेगी निगरानी

बागपत।

बागपत जिले के बड़ौत में अवैध कॉलोनियों और बिना मानचित्र स्वीकृति के हो रहे निर्माण पर प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। शहर के अनियोजित विस्तार पर रोक लगाने के लिए जिलाधिकारी दिव्यांशु पटेल और पुलिस अधीक्षक पूर्णेन्दु सिंह ने खुद कमान संभालते हुए बड़ौत का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए।

अभियान पर नजर रखने के लिए लोक निर्माण विभाग, राजस्व, सिंचाई, एनएचएआई, विकास प्राधिकरण और पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई है। छह विभागों की यह टीम नियमित समीक्षा कर कार्रवाई की प्रगति पर नजर रखेगी। प्रशासन का उद्देश्य अवैध निर्माण पर रोक लगाने के साथ बड़ौत का सुनियोजित विकास सुनिश्चित करना है।

कार्रवाई का विरोध करने पर दो मुकदमे

विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन कार्रवाई में बाधा डालने और अधिकारियों को धमकी देने के मामले में बड़ौत कोतवाली में दो एफआईआर दर्ज कराई गई हैं।

वाराणसी: श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर गूंजा हमारा संविधान - हमारा स्वाभिमान

गंगा द्वार पर जागरूक अभियान,संदेश: भारतीय संविधान पर्यावरण की रक्षा और संवर्धन के लिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य निर्धारित करता है

वाराणसी।

संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर नमामि गंगे की ओर से भारतीय संविधान और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को संविधान में निहित पर्यावरण संरक्षण के दायित्वों की जानकारी देते हुए प्रकृति, नदियों, जंगलों, झीलों और वन्यजीवों की रक्षा का संकल्प दिलाया गया।

अभियान में नमामि गंगे की टीम ने संदेश दिया कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के प्रति जिम्मेदार बनाता है। संविधान के अनुच्छेद 51(क)(छ) यानी 51-अ(ँ) के तहत प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य है कि वह वन, झील, नदी और वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करे तथा उसका संवर्धन करे। साथ ही सभी जीवों के प्रति करुणा का भाव रखे।



इस अवसर पर नागरिकों ने भारतीय संविधान की तस्वीर और राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर 'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' का उद्घोष किया। साथ ही संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया और उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में निहित पर्यावरण संरक्षण के प्रावधानों और सरकार के आधुनिक प्रयासों के साथ जनसहभागिता का संगम ही गंगा के कायाकल्प का आधार है। गंगा की अविरल और निर्मल धारा सुनिश्चित करने के लिए संवैधानिक दायित्वों के प्रति जागरूकता और सामूहिक प्रयास बेहद जरूरी हैं।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक कर्तव्य है। नदियों को स्वच्छ रखना, जलस्रोतों का संरक्षण करना और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। अभियान में रविंद्र पाण्डेय, साकेत, रोहित मिश्रा, रिया, आरती, जय शाहा, रमन नायडू सहित बड़ी संख्या में नागरिकों और पर्यटकों ने सहभागिता की।

वाराणसी में शनिवार को लगेगी विशेष लोक अदालत, वाहन चालानों का होगा निस्तारण

वाराणसी।
वाहन चालानों के निस्तारण के लिए वाराणसी जनपद न्यायालय में 28 नवंबर, शनिवार को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण चालान का सामना कर रहे वाहन स्वामी और चालक अपने लंबित चालानों का नियमानुसार न्यूनतम धनराशि पर निस्तारण करा सकेंगे।
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने वाहन स्वामियों और चालकों से इस विशेष लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। प्राधिकरण के अनुसार, संबंधित वाहन स्वामी शनिवार को जिला न्यायालय परिसर, वाराणसी पहुंचकर अपने लंबित चालानों के निस्तारण की प्रक्रिया पूरी करा सकते हैं। इस दौरान उन्हें पीएलवी (पैरा लीगल वॉलंटियर) का सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा।
इसके अलावा, वाहन स्वामी लोक अदालत से संबंधित आवश्यक जानकारी और प्रक्रिया की जानकारी मोबाइल फोन के माध्यम से भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए प्राधिकरण की ओर से निम्नलिखित पीएलवी के संपर्क नंबर जारी किए गए हैं। प्रदीप कुमार वर्मा : 8112810960, मदन चौहान : 9305727838, शांता विश्वकर्मा : 9454369138
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अपील की है कि जिन वाहन स्वामियों के चालान लंबित हैं, वे इस अवसर का लाभ उठाकर नियमानुसार उनका निस्तारण कराएं।

कानपुर देहात में छह निरीक्षकों की नई तैनाती, थानों में मिली प्रभारी निरीक्षक की जिम्मेदारी

कानपुर देहात।
जनपद की कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में छह निरीक्षकों की नई तैनाती की गई है। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय ने 26 नवंबर 2026 को जारी आदेश में निरीक्षकों को उनके नए तैनाती स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।
पुलिस स्थापना बोर्ड के निर्णय के अनुपालन में जारी इस आदेश के तहत पुलिस लाइन और विभिन्न थानों में तैनात निरीक्षकों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।
हाल ही में कई पुलिसकर्मियों के गैर जनपद स्थानांतरण के बाद जिले में पुलिस व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यह तैनाती की गई है।
आदेश के अनुसार निरीक्षक राजेंद्र विक्रम सिंह को पुलिस लाइन से थाना सिकंदरा का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला को पुलिस लाइन से थाना अकबरपुर, जबकि निरीक्षक दिनेश कुमार को पुलिस लाइन से थाना राजपुर का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है।
इसी क्रम में निरीक्षक सुनील सिंह परिहार को थाना अकबरपुर में अतिरिक्त निरीक्षक के पद से थाना मंगलपुर का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह को पुलिस लाइन से थाना भोगनीपुर तथा निरीक्षक रुद्रप्रताप नारायण त्रिपाठी को पुलिस लाइन से थाना शिवली का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है।
पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित निरीक्षकों को तत्काल नए तैनाती स्थल पर रवाना होकर कार्यभार ग्रहण करने और अनुपालन आख्या गोपनीय कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।
जनपद में अपने तीन वर्ष पूरे करने के बाद कुछ दिन पहले जनपद में तैनात लगभग सभी थाना प्रभारियों के गैर जनपद स्थानांतरण के बाद यह जनपद में नई तैनाती मिली है। पुलिस विभाग के इस फेरबदल को जनपद में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और थानों में आवश्यक पुलिस नेतृत्व सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संविधान दिवस विशेष: प्रत्येक नागरिक को समानता, सम्मान और बराबर अवसर का मिला अधिकार

डीबीटी से पारदर्शी व्यवस्था, आर्थिक बाधाओं को पीछे छोड़ उच्च शिक्षा की ओर बढ़ रहे वंचित वर्गों के विद्यार्थी

लखनऊ।
भारतीय संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समानता, सम्मान और अवसर की समानता का अधिकार दिया है। संविधान की यही भावना तब साकार होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवार का बच्चा भी शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को पूरा करने का अवसर पाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार इसी संकल्प को धरातल पर उतारने की दिशा में लगातार काम कर रही है। छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा की राह आसान बना रही हैं। खास बात यह है कि इन योजनाओं से उन परिवारों के बच्चों को भी आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है, जिनकी पीढ़ियों में पहली बार कोई विद्यार्थी उच्च शिक्षा की दहलीज तक पहुंच रहा है। योगी सरकार में 04.85 करोड़ से अधिक सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ दिया गया। छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के बजट में हुई उल्लेखनीय वृद्धि
योगी सरकार में पूर्वदशम- और



दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं का दायरा लगातार बढ़ा है। इन योजनाओं के माध्यम से अनुसूचित जाति, सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को पढ़ाई जारी रखने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। छात्रों की संख्या बढ़ने के चलते योगी सरकार ने छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के बजट में भी वृद्धि की है।

एक दिन में 04.60 लाख से अधिक विद्यार्थियों के खातों में पहुंची सहायता

छात्रवृत्ति योजनाओं का व्यापक प्रभाव सरकार की ओर से किए जा रहे नियमित वितरण से भी स्पष्ट होता है। बीते 3 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 4.60 लाख से अधिक विद्यार्थियों के खातों में 148 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि अंतरित की। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग के 2,23,615 विद्यार्थियों को 60.01 करोड़ रुपये, अनुसूचित जाति के 1,59,959 विद्यार्थियों को 64.54 करोड़ रुपये, सामान्य वर्ग के 38,084 विद्यार्थियों को 11.43 करोड़ रुपये और अल्पसंख्यक वर्ग के 38,901 विद्यार्थियों को 12.06 करोड़ रुपये दिए गए।
इससे पहले 25 जनवरी 2026 को भी 18,78,726 छात्र-छात्राओं के खातों में 944.55 करोड़ रुपये भेजे गए थे। सरकार ने वर्ष में दो बार छात्रवृत्ति वितरण की व्यवस्था लागू की है, ताकि विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र के दौरान समय पर आर्थिक सहायता मिल सके। इससे फीस, किताबों, शिक्षण सामग्री और अन्य जरूरी शैक्षणिक खर्चों का बोझ कम करने में मदद मिल रही है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए यह सहायता पढ़ाई बीच में छोड़ने की मजबूरी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

डीबीटी से पारदर्शिता, पात्र विद्यार्थियों तक सीधे पहुंच रहा लाभ

छात्रवृत्ति वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए योगी सरकार ने डिजिटल माध्यमों को प्राथमिकता दी है। आवेदन से लेकर सत्यापन और भुगतान तक की प्रक्रिया ऑनलाइन की गई है।

सोनिया गांधी ने अपनी पुस्तक में कई अहम सवालों के जवाब नहीं दिए : एस. गुरुमूर्ति



कानपुर।
हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के संस्थापक एवं मार्गदर्शक एस. गुरुमूर्ति ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की पुस्तक पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसमें कई ऐसे मुद्दों को नजरअंदाज किया गया है, जिन पर देश की जनता स्पष्टीकरण चाहती है। विवादित और कठिन सवालों का जवाब देने के लिए साहस की जरूरत होती है। ऐसा साहस महात्मा गांधी में दिखाई देता था।
गुरुवार को वीरेंद्र स्वरूप पार्क में आयोजित हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले में संबोधन के दौरान गुरुमूर्ति ने कहा कि किसी भी पुस्तक की सार्थकता तभी है, जब लेखक असहज करने वाले सवालों पर भी खुलकर अपनी बात रखे। उन्होंने राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहते हुए जिनेवा यात्रा, भारतीय सुरक्षा लेने से सोनिया गांधी के इनकार और राजीव गांधी की हत्या के दोषियों से जुड़े प्रसंग उठाए। उन्होंने सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी से इन मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।
हिंदुत्व की व्याख्या करते हुए गुरुमूर्ति ने कहा कि इसे केवल किसी धर्म या भौगोलिक पहचान तक सीमित नहीं किया जा सकता। यह जीवन जीने का तरीका और पीढ़ियों से चली आ रही संस्कारों की परंपरा है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की सेवा भावना और भारतीय परंपराओं को सामने लाने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।
नई पीढ़ी में संस्कारों की जरूरत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि केवल शिक्षा और आर्थिक प्रगति से मजबूत समाज नहीं बन सकता। इसके लिए बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास भी जरूरी है।

मथुरा: सीडीओ के इंतजार में तीन घंटे बैठे रहे किसान, नाराज होकर राजीव भवन के गेट पर दिया धरना

मथुरा।
मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) की कार्यशैली और कथित वादाखिलाफी से नाराज भारतीय किसान यूनियन (राजनीतिक) के कार्यकर्ताओं और किसानों ने गुरुवार को राजीव भवन पर धरना-प्रदर्शन किया। किसानों ने पशुपालन विभाग पर टीकाकरण के नाम पर प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की।
किसानों के मुताबिक, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने बुधवार को गुरुवार सुबह 10 बजे बैठक के लिए समय निर्धारित किया था, लेकिन वह करीब तीन घंटे की देरी से दोपहर एक बजे कार्यालय पहुंचीं। इससे नाराज किसानों ने राजीव भवन के मुख्य द्वार पर ही धरना शुरू कर दिया और नारेबाजी की।
भाकियू (राजनीतिक) के मंडल अध्यक्ष राजकुमार तोमर ने आरोप लगाया कि पशुपालन विभाग में टीकाकरण के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये का घोटाला किया जा रहा है। वहीं, जनपद सिंचाई बंधु के उपाध्यक्ष सुधीर रावत ने सीडीओ पर मामले को दबाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।
प्रदर्शन के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) डॉ. नरेंद्र नारायण शुक्ला ने टीकाकरण की स्थिति स्पष्ट कर किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान उनके जवाब से संतुष्ट नहीं हुए।

आपातकाल में प्राथमिक चिकित्सा और जीवन बचाने का प्रशिक्षण जरूरी : सुरेंद्र नाथ

प्रयागराज।
आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर प्राथमिक चिकित्सा मिलने से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। इसलिए सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड के सदस्यों को प्राथमिक चिकित्सा और आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देकर अधिक से अधिक रेलकर्मियों को मानव सेवा से जोड़ना चाहिए। यह बात उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड के उपायुक्त सुरेंद्र नाथ ने कही।
वह गोवा के मडगांव में 20 से 23 नवंबर तक आयोजित चार दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सत्र 2025-26) के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उत्तर मध्य रेलवे की ब्रिगेड संख्या-1 और 2 के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में अधिकारियों और सदस्यों समेत 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
शिविर में विशेषज्ञ प्रशिक्षक सतपाल सिंह ने प्रतिभागियों को प्राथमिक चिकित्सा, सीपीआर, हड्डी टूटने पर उपचार, रक्तस्राव रोकने, घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और भीड़ प्रबंधन का सैद्धांतिक एवं



व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। समापन समारोह में अनुशासित परेड, प्रार्थना, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण हुआ।
ब्रिगेड की बढ़ती सदस्य संख्या और सेवा कार्यों को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में तीसरी ब्रिगेड के गठन का प्रस्ताव भी रखा गया, ताकि अधिक रेलकर्मियों को आपातकालीन सहायता और आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा सके।
प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आठ सदस्यों संदीप कुमार केसरवानी, विजय कुमार, विमलेश कुमार पटेल, अमित कुमार शुक्ला, विनोद कुमार यादव, सौरभ पटेल वर्मा, शिवा और प्रमोद कुमार पटेल को सम्मानित किया गया।
इसके अलावा सदस्यों की शारीरिक क्षमता और सामूहिक भावना विकसित करने के लिए दूधसागर जलप्रपात तक साहसिक पदयात्रा भी कराई गई।
समारोह में डॉ. आशीष अग्रवाल, डॉ. परवेज अहमद, मुकेश कुमार कुलश्रेष्ठ, दिनेश कुमार और ए.के. आर्य समेत रेलवे के चिकित्सक, अधिकारी और ब्रिगेड के पदाधिकारी मौजूद रहे।

विद्यालय की संपत्ति और 70 लाख से अधिक के गबन के आरोप में पूर्व बीएसए समेत पांच पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर में दीवानी न्यायालय के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत ने शाहगंज कोतवाली क्षेत्र स्थित जनता पूर्व माध्यमिक विद्यालय, अगूर्पुर कला की संपत्ति हड़पने और मध्याह्न भोजन योजना की धनराशि समेत विद्यालय के अन्य धन के गबन के आरोप में पूर्व बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। अदालत ने प्रभारी निरीक्षक शाहगंज को सात दिन के



भीतर प्राथमिकी की प्रति न्यायालय में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।
विद्यालय के प्रबंधक नरेंद्र बहादुर सिंह ने अपने अधिवक्ताओं इंदु प्रकाश चौबे और अभिषेक चतुर्वेदी के माध्यम से अदालत में प्रार्थना पत्र देकर तत्कालीन बीएसए डॉ. गोरखनाथ पटेल, प्रधानाचार्य अमित कुमार सिंह, यूनियन बैंक बीबीगंज शाखा के प्रबंधक अवनीश श्रीवास्तव, विद्यालय के लिपिक जयप्रकाश यादव और जितेंद्र बहादुर सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।
वादी का आरोप है कि आरोपितों ने आपसी मिलीभगत से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर विद्यालय की संपत्ति हड़पने की साजिश रची। इसके साथ ही मध्याह्न भोजन योजना की धनराशि और विद्यालय के अन्य मदों से 70 लाख रुपये से अधिक का गबन किया। आरोप यह भी है कि विरोध करने पर कुछ आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। वादी ने बैंक शाखा प्रबंधक की भूमिका पर भी सवाल उठाए और खाते के लेनदेन का विवरण उपलब्ध नहीं कराने का

बाल विवाह रोकने के लिए समाज के हर व्यक्ति को आगे आना होगा : मीनाक्षी सिन्हा

गोरखपुर।
बाल विवाह बच्चों के बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करने वाली गंभीर सामाजिक कुरीति है। इसे समाप्त करने के लिए कानूनी कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता और सामूहिक सहभागिता जरूरी है। यह बात गुरुवार को विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी सिन्हा ने कही।
वह 27 नवंबर को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह उन्मूलन दिवस की पूर्व संध्या पर मानव सेवा संस्थान सेवा की ओर से विकास भवन सभागार में आयोजित जिला



स्तरीय समन्वय कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह रोकना केवल प्रशासन या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसके खिलाफ आगे आना होगा। बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित करना चाहिए।
कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिनव कुमार मिश्र ने कहा कि बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण के लिए विभागीय समन्वय और गांवों में निरंतर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है।
आशा एफएम 89.6 के निदेशक नवीन पाण्डेय ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने में मीडिया की भूमिका अहम है। रेडियो और सोशल मीडिया के माध्यम से गांव-गांव तक जागरूकता का संदेश पहुंचाया जा सकता है।

विधानसभा के तैयारियां परखने काशी पहुंचें भाजपा के तेलंगाना प्रदेश संगठन महामंत्री एन. मधुकर, अशोक चौरसिया ने किया स्वागत

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में तेलंगाना के प्रदेश संगठन महामंत्री एन. मधुकर काशी पहुंच गए हैं। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भाजपा के काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पार्टी के क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर और अंगवस्त्र पहनाकर उनका अभिनंदन किया।
इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने बताया कि तेलंगाना के प्रदेश संगठन महामंत्री एन. मधुकर का काशी आगमन पार्टी



संगठन के लिए महत्वपूर्ण है। वह आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर यहां आए हैं। उनके संगठनात्मक अनुभव और मार्गदर्शन से पार्टी को आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।
उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारियों में संगठन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और पार्टी की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अनुभवी पदाधिकारियों का मार्गदर्शन उपयोगी साबित होगा।
भाजपा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी मधुकर चित्रांश ने बताया कि शुक्रवार को एन. मधुकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन करेंगे। इसके साथ ही वह काशी के अन्य प्रमुख मंदिरों में भी दर्शन के लिए जाएंगे। धार्मिक कार्यक्रमों के बाद उनका भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात का कार्यक्रम निर्धारित है। एन. मधुकर के काशी आगमन को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठनात्मक गतिविधियों और तैयारियों को गति देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एआई और उभरती तकनीकें शिक्षण व्यवस्था को बना रही हैं अधिक प्रभावी और विद्यार्थी केंद्रित : डॉ. रुचि द्विवेदी

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में संकाय विकास कार्यक्रम के दूसरे दिन शिक्षकों को डिजिटल तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग की दी जानकारी

प्रयागराज।
कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) शिक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी, संवादपरक और विद्यार्थी केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इनके सार्थक और विवेकपूर्ण उपयोग से कक्षाओं को अधिक रोचक बनाने के साथ विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी भी बढ़ाई जा सकती है। यह बातें एनसीईआरटी के केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान की सहायक आचार्य डॉ. रुचि द्विवेदी ने कहीं। वह गुरुवार को इलाहाबाद



विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग और एनसीईआरटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के दूसरे दिन तकनीकी सत्रों को संबोधित कर रही थीं।
शिक्षकों, शिक्षक-शिक्षकों एवं छात्र-अध्यापकों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम का विषय 'शिक्षकों, शिक्षक-शिक्षकों एवं छात्र-अध्यापकों के लिए आईसीटी एवं उभरती प्रौद्योगिकियां' है।
पहले तकनीकी सत्र में डॉ. रुचि द्विवेदी ने शिक्षण और अधिगम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से शिक्षण को अधिक समृद्ध और प्रभावशाली बनाया जा सकता है। इससे शैक्षिक नवाचार, सहभागितापूर्ण पढ़ाई और तकनीक आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने शिक्षकों को कक्षा और शैक्षणिक गतिविधियों में एआई का उद्देश्यपूर्ण एवं उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।
चौथे तकनीकी सत्र में उन्होंने आईसीटी और उभरती तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिजिटल तकनीक पारंपरिक कक्षाओं को अधिक सक्रिय, संवादपरक और विद्यार्थी केंद्रित बना सकती है। इसके लिए उन्होंने शैक्षिक सामग्री तैयार करने, समूह में सीखने, विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने और मूल्यांकन करने से जुड़े विभिन्न डिजिटल साधनों का व्यावहारिक परिचय कराया।

विंध्याचल विश्वविद्यालय की परीक्षा में 29,446 परीक्षार्थी हुए शामिल, नकल करते एक पकड़ा गया

कुल 1,248 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित, कुलपति ने कंट्रोल रूम से की ऑनलाइन निगरानी

मीरजापुर।
मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय की प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं गुरुवार को तीसरे दिन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुईं। दोनों पालियों में कुल 29,446 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस दौरान विश्वविद्यालय की सचल टीम ने मीरजापुर, सोनभद्र और भदोही के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। एक परीक्षार्थी को अनुचित साधनों का प्रयोग करते पकड़े जाने पर परीक्षा से निष्कासित कर दिया गया।
विश्वविद्यालय के अनुसार, तीसरे दिन की परीक्षा में 7,906 छात्र और 21,540 छात्राएं शामिल हुईं, जबकि 1,248 परीक्षार्थी



अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित रहने वालों में 565 छात्र और 683 छात्राएं शामिल हैं। प्रथम पाली में 19,111 और दूसरी पाली में 10,335 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने दोनों पालियों की ऑनलाइन निगरानी कंट्रोल रूम से की। वहीं, विश्वविद्यालय की ओर से गठित सचल दस्ते ने तीनों जिलों के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

चैंपियंस लीग: लिवरपूल ने दर्ज की धमाकेदार जीत

मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्पोर्टिंग सीपी का मुकाबला 2-2 से रहा ड्रॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस लीग में लिवरपूल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लब ब्रुग को 3-0 से हराया। इस मैच में अलेक्जेंडर इसाक ने दो गोल किए, जबकि फ्लोरियन विर्ट्ज ने भी एक शानदार लॉन्ग-रेंज गोल दागा। जान ब्रेयडेल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत में ही अलेक्जेंडर इसाक ने करीब से गोल करके लिवरपूल को बढ़त दिला दी। लिवरपूल का डिफेंस भी मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया और मैच के अंत में फ्लोरियन विर्ट्ज और इसाक के बेहतरीन गोलों की मदद से 3 अंक पक्के कर लिए। डोमिनिक सोबोस्जलाई के पास पर इसाक ने गोल करके लिवरपूल को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी। इस दौरान यान सोमर ने हंगरी के खिलाड़ी सोबोस्जलाई के करीब से लिए गए शॉट को रोक दिया, जबकि दूसरे हाफ में लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन बेकर ने फेलिक्स लेमारेचल के शॉट को बाहर कर दिया।



मैच खत्म होने से 11 मिनट पहले रियो न्गुमोहा के पास पर विर्ट्ज ने गेंद को पोस्ट के सहारे गोल में बदल दिया। इसके बाद, एलिसन की लंबी पास पर इसाक ने शानदार तरीके से गेंद को कंट्रोल करते हुए एक और गोल दागा। एंड्रोनी इराओला की टीम ने लीग चरण में अब तक 15 में से 12 अंक हासिल कर लिए हैं। उनका अगला मुकाबला घरेलू मैदान पर एफसी पोर्टो के खिलाफ होगा।

बार्सिलोना ने सबाह एफके को 4-1 से हराया, पीएसजी-रोमा के बीच 2-2 से ड्रॉ रहा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफसी बार्सिलोना ने बाकू में सबाह एफके को 4-1 से हराया। एंथनी गॉर्डन के दो गोल और करीम अदेयेमी तथा गेब्रियल जीसस के एक-एक गोल की मदद से बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग चरण में अपने पांचवें मैच में चौथी जीत दर्ज की। शुरुआत से ही गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखने के बावजूद, बार्सिलोना को अजरबैजानी टीम के अनुशासित डिफेंस को भेदने में शुरुआती संघर्ष करना पड़ा। हाफ-टाइम के बाद, गेब्रियल जीसस के शॉट को पोकातिलोव ने रोका, लेकिन गेंद रिबाउंड होकर गॉर्डन के पास आई, जिन्होंने बार्सिलोना के लिए पहला गोल दागा। इसके बाद करीम अदेयेमी ने दूसरा गोल किया। जीसस ने तीसरा गोल किया, जबकि जॉय-लांस



मिकल्स ने एक शानदार फिनिश के साथ अपनी टीम के लिए एक गोल किया। अदेयेमी पांचवां गोल करने के करीब थे, लेकिन पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाया गया उनका जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। हालांकि, बार्सिलोना ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल करने और राउंड ऑफ 16 में सीधे क्वालिफिकेशन की ओर एक और बड़ा कदम बढ़ाने के लिए पर्याप्त काम कर लिया था। इस बीच, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने अपने घरेलू मैदान पर एएस रोमा के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। मारियो हर्मोसो (5वें मिनट) के शुरुआती गोल के जवाब में इल्या जबार्नी (31वें मिनट) ने पीएसजी के लिए अपना पहला कॉन्टिनेंटल गोल किया।

ईयर एंडर 2026

टी20 विश्व कप का खिताब, छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए साल 2026 बेमिसाल रहा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया अपनी ही धरती पर टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली दुनिया की पहली टीम बनी। इसके साथ ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल के अलावा टीम ने छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। टी20 विश्व कप का खिताब : भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराने के साथ ही भारत टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाला पहला देश बना। इसके साथ ही अपनी घरेलू सरजमीं पर टीम इंडिया चैंपियन बनने वाली पहली



टीम भी बनी। भारत ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा और टीम को सिर्फ एक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए संजू सैमसन ने सर्वाधिक 321 रन बनाए जबकि 8 मैचों में 14 विकेट लेकर बेस्ट गेंदबाज रहे। एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल : जापान की धरती पर खेले गए एशियन गेम्स 2026 में भी भारतीय क्रिकेट टीम का जलवा रहा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन ईशान किशन ने बनाए जबकि अक्षर पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे।

मुल्डर की शानदार गेंदबाजी, बांग्लादेशी बल्लेबाजों का दूसरी इनिंग में भी 'सरेंडर'

साउथ अफ्रीका ने एक पारी और 219 रनों से जीता दूसरा टेस्ट

सेंचुरियन(एजेंसी)। साउथ आफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट मैच में एक पारी और 219 रनों से हराया। सुपरस्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दूसरी इनिंग में भी निराशाजनक रहा और पूरी टीम सिर्फ 184 रन बनाकर सिमट गई। दूसरी पारी में बांग्लादेश तंजीद हसन तमीम और महफिजुल इस्लाम ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। तंजीद 29 रन बनाकर आउट हुए, जबकि महफिजुल 38 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। मोमिनुल हक अपना खाता भी नहीं



खोल सके। वही, कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 34 रन बनाने के बाद वियान मुल्डर का शिकार बने। तौहीद हिरदॉय भी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 33 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुए। लिटन दास ने 15 रन बनाए, जबकि जेकर अली 2 रन ही बना सके। शोरिफुल इस्लाम (0) और तस्कीन अहमद (10 रन) भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। खलील अहमद 5 रन बनाकर आउट हुए। दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका की तरफ से वियान मुल्डर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 11 ओवर के स्पेल में 31 रन देकर 7 विकेट चटकाए, जबकि मार्को जानसेन ने 2 विकेट अपने नाम किए। कगिसो रबाडा ने एक विकेट झटका। बांग्लादेश की पूरी टीम पहली पारी में सिर्फ 91 रन बनाकर ढेर हो गई थी, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट खोकर 494 रन बनाने के बाद अपनी पारी को घोषित किया था।

न्यूजीलैंड-भारत दूसरा टेस्ट | क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में कैसा है भारत का टेस्ट रिकॉर्ड, 2020 में करना पड़ा था करारी हार का सामना

क्राइस्टचर्च में दूसरा टेस्ट आज से



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल मैदान पर खेला जाना है। वेलिंगटन में खेला गया सीरीज का पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। आइए आपको बताते हैं कैसा रहा है टीम इंडिया का हेगली ओवल के मैदान पर टेस्ट रिकॉर्ड। दरअसल, भारतीय टीम ने क्राइस्टचर्च के इस मैदान पर अब तक सिर्फ एक ही टेस्ट मैच खेला था और इस मुकाबले में टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 2020 में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम पहली पारी में 242 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी।

इसके जवाब में भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की पहली पारी को 235 रनों पर समेटने में सफल रहे थे। दूसरी पारी में टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने आसानी से न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए थे और पूरी टीम महज 124 रन बनाकर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड ने 132 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट खोकर हासिल करते हुए टेस्ट मैच को तीसरे ही दिन अपने नाम कर लिया था। हालांकि, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली हार का हिसाब चुकता करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड ने इस ग्राउंड पर अब तक कुल 15 टेस्ट मैच खेले हैं और टीम को 9 में जीत हासिल हुई है। हेगली ओवल में न्यूजीलैंड को 4 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम के लिहाज से पहला टेस्ट मैच शानदार रहा था। भारत का बल्लेबाजी क्रम जबरदस्त फॉर्म में नजर आया था। केएल राहुल और ऋषभ पंत शतकीय पारियां खेलने में सफल रहे थे, तो यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल और कप्तान गिल ने भी अर्धशतकीय पारियां खेली थीं।

भारतीय टीम पहली पारी में ही 720 रन बनाने में सफल रही थी, जो न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट में बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर था। हालांकि, भारतीय टीम के गेंदबाज दूसरी पारी में संघर्ष करते हुए जरूर दिखाई दिए थे। टीम के गेंदबाज आखिरी दो सेशन में सिर्फ एक ही विकेट निकालने में सफल रहे थे और न्यूजीलैंड टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने में कामयाब रहा था।

दो बार शून्य पर आउट हुए लाथम, बुमराह ने दोनों पारियों में किया था शिकार, क्या निकाल पाएंगे तोड़?

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम जानते हैं कि जसप्रीत बुमराह का सामना करना आसान नहीं है। भारत के तेज गेंदबाज ने सीरीज के पहले टेस्ट की दोनों पारियों में उन्हें खाता भी नहीं खोलने दिया था। इसके बावजूद लाथम दूसरे टेस्ट में अपनी बल्लेबाजी की शैली में कोई बड़ा बदलाव नहीं करना चाहते हैं। उनका कहना है कि उनकी तैयारी पिछले सप्ताह जैसी ही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट शुक्रवार से क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में खेला जाएगा। बुमराह की अनूठी गेंदबाजी शैली और बल्लेबाज के करीब गेंद डालने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। स्विंग के अनुकूल परिस्थितियों में उनका सामना करना और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।





अपनी बल्लेबाजी में बदलाव नहीं करना चाहते लाथम

लाथम अपनी बल्लेबाजी शैली पर ही कायम रहना चाहते हैं। उनका मानना है कि तकनीक में बदलाव करने के बजाय अपने विचारों में स्पष्टता रखना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी मुश्किल यह होती है कि अगर कुछ अलग करने की कोशिश सफल नहीं होती, तो इससे ध्यान भटक जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आज मैं इस मुकाम पर हूं तो इसका कारण यही है कि मैं जो कर रहा हूं, उसे लेकर पूरी तरह स्पष्ट हूं।' लाथम ने कहा, 'तकनीक के मामले में इसे बिल्कुल सरल रखना सबसे महत्वपूर्ण है। चुनौती यह हो सकती है कि उस सोच से बाहर निकलकर रन बनाने का कोई जादुई तरीका खोजने की कोशिश की जाए। लेकिन हमारे खेल में ऐसा कोई जादुई तरीका नहीं है।'

बुमराह की गेंदबाजी शैली को बताया चुनौतीपूर्ण

दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर लाथम ने बुमराह की गेंदबाजी पर बात की। उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह निश्चित रूप से चुनौती पेश करते हैं, चाहे वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे हों या पुरानी गेंद से। उनकी गेंदबाजी शैली अनूठी है और वह दूसरे गेंदबाजों की तुलना में गेंद को बल्लेबाज के थोड़ा अधिक करीब डालते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण उस गेंद को खेलने के लिए खुद को तैयार रखना है, जो सबसे खतरनाक साबित हो सकती है। हो सकता है कि कुछ खिलाड़ियों का खेलने का तरीका मुझसे बिल्कुल अलग हो।'

विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी अपने विजय रथ को बरकरार रखना चाहेगी भारतीय टीम

सेमीफाइनल में मलेशिया से होगी भिड़ंत



भोपाल (एजेंसी)। लगातार पांच जीत दर्ज करके शानदार फॉर्म में मौजूद भारतीय विमेंस हॉकी टीम शुक्रवार को नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत ने 2016, 2023 और 2024 में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है। अब टीम अपने चौथे खिताब की तलाश में है, जो उसे इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम बना देगा। भोपाल संस्करण की शुरुआत से पहले, भारत और साउथ कोरिया दोनों के नाम तीन-तीन चैंपियनशिप थीं। मुख्य कोच स्योर्ड मारिन के मार्गदर्शन में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच मैचों में 15 अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। मौजूदा चैंपियन ने 23 गोल किए हैं और केवल चार गोल खाए हैं, जिससे उनका गोल अंतर प्लस 19 रहा है। भोपाल में भारत का अब तक का प्रदर्शन उनकी आक्रामक क्षमता और मजबूत डिफेंस को दर्शाता है। इसी शानदार खेल की बदौलत भारतीय टीम इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) रैंकिंग में विश्व नंबर 4 के ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंच गई है।

दीपिका इस टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली आक्रामक खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरी हैं। उन्होंने आठ गोल के साथ स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जिसमें थाईलैंड और चीन के खिलाफ लगाई गई हैट्रिक भी शामिल है। हालांकि, मेजबान टीम की ताकत सिर्फ उनके टॉप स्कोरर तक ही सीमित नहीं है। लालरेमसियामी, नवनीत कौर, मुमताज खान, नेहा, साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया है।

मिडफील्ड में नवनीत ने मौके बनाने और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में अहम भूमिका निभाई है, जबकि कप्तान सलीमा टेटे ने अपने पासिंग, मूवमेंट और नेतृत्व क्षमता से टीम को मजबूती दी है। साक्षी, सुनेलिता और नेहा के

'आप ऐसे कारनामे कर रहे हैं, जो हमारे में से ज्यादातर लोग पूरे करियर में नहीं कर पाते'

पीटरसन हुए वैभव के फैन

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ने वाला दोहरा शतक लगाने के बाद पीटरसन ने कहा कि 15 साल का यह खिलाड़ी ऐसे कारनामे कर रहा है, जो ज्यादातर क्रिकेटर अपने पूरे करियर में भी नहीं कर पाते। सूर्यवंशी ने शानदार पावर-हिटिंग का प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 53 गेंदों में 204 रन बनाए। उनकी इस पारी में 28 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिसकी मदद से भारत-ए ने 7 विकेट से जीत दर्ज की और सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। इस युवा खिलाड़ी की असाधारण पारी पर प्रतिक्रिया देते हुए पीटरसन ने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी और उन्हें बेहद शानदार प्रतिभा बताया। पीटरसन ने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही लगातार रिकॉर्ड तोड़ना वाकई कमाल है। आप ऐसे कारनामे कर रहे हैं जो हमारे में से ज्यादातर लोग अपने पूरे करियर में नहीं कर पाते। आपको और ताकत मिले, मुझे आपका सफर देखना बहुत पसंद है।' बिहार के इस युवा बल्लेबाज ने यूएई के खिलाफ रन चेज के दौरान लिस्ट-ए क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने इस फॉर्मेट में सबसे तेज शतक और दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क के रिकॉर्ड से बेहतर है।



फ्रेजर-मैकगर्क ने 2023 में तस्मानिया के खिलाफ साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए 29 गेंदों में शतक लगाया था। सूर्यवंशी ने सिर्फ 52 गेंदों में अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया। इसके साथ ही उन्होंने लिस्ट-ए की एक पारी में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत-ए ने सिर्फ 14.2 ओवर में 254/3 रन बनाते हुए आसानी से मैच को अपने नाम किया।

सुरेश रैना: टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज

विश्व कप 2011 में निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने अपने इंटरनेशनल करियर में कई बड़े मुकाम हासिल किए। वह टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज रहे। इसके साथ ही उन्होंने वनडे विश्व कप 2011 में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। सुरेश रैना का जन्म 27 नवंबर 1986 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मुरादनगर में हुआ। रैना की क्रिकेट में दिलचस्पी अपने बड़े भाई मुकेश को क्रिकेट खेलते देखकर जागी। वह मुरादनगर के वीनस क्रिकेट क्लब में भाई के साथ



जाया करते थे। रैना ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने की ठान ली। रैना ने क्लब स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और जल्द ही उत्तर प्रदेश की अंडर-16 टीम में जगह बना ली। अंडर-17 और अंडर-19 टीमों के लिए दमदार प्रदर्शन करने के बाद रैना ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अपना डेब्यू साल 2003 में किया।

घरेलू क्रिकेट में रैना ने लगातार अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया। 109 फर्स्ट-क्लास मैचों में रैना ने 42.15 की औसत से खेलते हुए 6,871 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 14 शतक और 45 अर्धशतक लगाए।

कैसे रहें सेहतमंद



तुम बड़े हो रहे हो, तुम्हें अपनी सेहत की चिंता है। तुम नहीं चाहते कि तुम अपनी क्लास के उस बच्चे की तरह दिखो, जिसे सब 'फैटी' कहकर पुकारते हैं। लेकिन तुम्हें समझ में नहीं आ रहा है कि ऐसा तुम क्या करो, जिससे तुम सेहतमंद भी रहो और स्मार्ट भी दिखो। संभव है कि तुम्हारे कुछ दोस्त तुम्हें डाइटिंग की सलाह देते होंगे। लेकिन डाइटिंग करना अच्छी बात नहीं है, खासकर इस बढ़ती उम्र में। इसके लिए तुम्हें कुछ ज्यादा करने की जरूरत नहीं है। संतुलित भोजन और शारीरिक गतिविधियों से तुम फिट रह सकते हो। इसके लिए तुम्हारे पास कई विकल्प हैं, चाहो तो अपनी पसंद का व्यायाम चुन लो या खेल। तुममें से कुछ को समूह में खेलना पसंद होगा तो कुछ को अकेले। इसमें अपने स्पोर्ट्स टीचर की मदद ले सकते हो। यदि तुम्हें खेलना पसंद नहीं है, तो साइकिल चला सकते हो, पार्क में टहल सकते हो। इस तरह के कई काम कर सकते हो। साथ ही, खाने में कई विकल्प हैं, लेकिन अच्छा यह होगा कि तुम संतुलित चीजें खाकर खुद को स्वस्थ रखो। चलो, हम तुम्हारी उलझन को सुलझाने में थोड़ी मदद करते हैं-

- पार्क में शाम को टहलने जाया करो, इससे तुम्हारे नये दोस्त भी बनेंगे।
- साइकिल चलाने के बहाने किसी दोस्त से मिलने उसके घर चले जाया करो। चाहो तो ट्यूशन जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल कर सकते हो।
- घर की सफाई में अपनी मम्मी की मदद करो, यह भी शारीरिक गतिविधि का हिस्सा है।
- तैरने में मजा आता है तो पास के किसी स्विमिंग सेंटर के सदस्य बन जाओ।
- टीवी देखने और कंप्यूटर पर गेम खेलने में कमी करो।
- रोजाना दो-तीन ताजे फल जरूर खाओ।
- दूध तो पियो ही, दही भी खाओ।
- यदि नन-वेज खाते हो तो मीट खाया करो। इसमें प्रोटीन होता है।
- नट्स में भी प्रोटीन होता है, इसलिए इसे भी खाया करो।
- तुम्हें ब्रेड बहुत पसंद है तो ब्राउन ब्रेड खाओ।
- दूध के साथ कॉर्नफ्लोर खाने से ताकत मिलती है।

याद रखो कि प्रोटीन तुम्हारी मांसपेशियों को मजबूत करते हैं। कैल्शियम हड्डियों के लिए जरूरी है। शरीर को काम करने के लिए विटामिन की जरूरत पड़ती है। फाइबर कब्ज को रोकता है। कार्बोहाइड्रेट से ऊर्जा मिलती है।



डाइटिंग इम्बैलेंस है पेट बढ़ने का कारण

मोटे पेट वाले लोग हमें कहीं न कहीं नजर आ ही जाते हैं। उन्हें देखकर हमारी पहली प्रतिक्रिया होती है, 'कितना मोटा है न जाने क्या खाता है' लेकिन यह हकीकत नहीं है। पेट के मोटे होने का संबंध ज्यादा खाने से नहीं बल्कि डायटिंग इम्बैलेंस की वजह से है। पेट में गैस बनने लगती है और वह फूलने लगता है। यह लाखों लोगों की परेशानी है। इसे ब्लोटिंग कहा जाता है। यह एक तरह की आम सूजन या कसाव का अहसास होता है। पेट का निचला हिस्सा खाने के बाद भरा-भरा सा लगता है। ऐसा तब भी होता है जब हमने बहुत कम खाना खाया हो। दरअसल, ऐसा पेट में ज्यादा गैस के बनने की वजह से होता है।

खाने के प्रति अरूचि तो नहीं वजह

कई लोग ब्लोटिंग और अन्य पेट की परेशानियों का कारण खाने के प्रति अरूचि को मानते हैं। दूसरे शब्दों में तो एक विशेष भोजन को खाने के बाद होने वाली प्रतिक्रिया। हालांकि यह फूड एलर्जी से पूरी तरह भिन्न है। जो प्रत्येक 100 में से तीन लोगों को है। इसमें शरीर का इमयून सिस्टम तत्काल प्रतिक्रिया देता है। इस तरह के लोगों के टेस्ट में भी परिणाम यह निकलता है कि उन्हें डेयरी, खमीर और गेंहू सेर् रखने उत्पादों में अरूचि है। हालांकि इनमें से कई मामले पूरी तरह सही हैं। लंदन के सेंट जॉर्ज अस्पताल की प्रमुख डायटिशियन कैथरीन कोलिस के मुताबिक, 'हम जब भी नए तरह का भोजन लेते हैं हमारा इमयून सिस्टम आईजीजी एंटीबॉडीज का निर्माण करता है। जो इस बात का प्रमाण है कि यह पदार्थ नुकसानदेह नहीं है। इसे जांचने का सबसे बेहतर तरीका यह है कि यदि आपको किसी चीज में अरूचि है तो अपनी डाइट का विस्तार से विश्लेषण करें।'

क्या हैं सूजन के कारण

अनगिनत शोधों से यह बात निकल सामने आई है कि हमारे पेट में कई मददगार बैक्टीरिया और खमीर होते हैं, जो पाचन में मददगार करते हैं और सूजन के लिए जिम्मेदार भी होते हैं। अच्छे बैक्टीरिया पेट में अन्य दूसरे बैक्टीरिया और खमीर की तरह मौजूद होता है। जब खमीर की पेट में संख्या बढ़ जाती है तो पाचन क्रिया प्रभावित होती है और गैस बनने लगती है। अगर पेट में इन मददगार बैक्टीरिया की कमी हो जाए तो खाना ठीक तरह से पच नहीं पाता। जिसकी वजह से पेट में हलचल होती है, जी मिचलाना है और गैस निकलती है।

हेल्थ प्लस

डायबिटीज से दिमाग पर असर



शोधकर्ताओं का दावा है कि डायबिटीज से पीड़ित लोगों की दिमागी कार्यक्षमता पर औरों की तुलना में कहीं अधिक असर पड़ता है। ऐसे मरीज किसी बात पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने में समय लगाते हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ अल्ब्रेटा के शोधकर्ताओं ने पाया है कि डायबिटीज से पीड़ित लोगों की अपेक्षा स्वस्थ लोग की मानसिक कार्यक्षमता काफी बेहतर होती है। जर्नल 'न्यूरोसाइकोलॉजी' में प्रकाशित अध्ययन के लिए 424 स्वस्थ वयस्कों और टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित 53 से 90 वर्ष आयु वर्ग के 41 लोगों का परीक्षण किया।

अध्ययनकर्ता रोजर डिक्सन ने कि बौद्धिक प्रतिक्रिया की गति और कार्यकारी कार्यक्षमता (मसलन ध्यान केंद्रित करना, नई सूचनाओं के साथ समस्या को हल करना और प्रश्नों के विचारशील उत्तर देना) संवेदनात्मक स्वास्थ्य के दो महत्वपूर्ण तत्व हैं, लेकिन डायबिटीज के मरीज इन दोनों ही मामलों में थोड़े कमजोर होते हैं।

डिक्सन ने बताया कि बौद्धिक क्षमता में कमी को इंसुलिन लेकर रोका जा सकता है। अब तक के शोध से साफ है कि डायबिटीज के शिकार लोगों में रक्त शर्करा का स्तर ज्यादा हो जाने से खून की नलिकाओं पर विपरीत असर पड़ सकता है। भविष्य में इससे अन्य अंग भी प्रभावित हो सकते हैं।

मालिश हमेशा फायदेमंद

मालिश सिर्फ शिशु जन्म के कुछ समय बाद तक ही लाभदायक नहीं है, बल्कि बच्चे के जन्म के 18 महीने बाद तक भी मालिश बेहद जरूरी होती है। मालिश जितनी ज्यादा होगी, वह बढ़ते बच्चे के विकास के लिए उतनी ही फायदेमंद होगी। मालिश हर मौसम में की जा सकती है। गर्मियों में दो बार और सर्दियों में तीन बार मालिश करना अच्छा रहता है। मालिश शिशु की त्वचा में स्निग्धता लाने के लिए भी जरूरी है। जब वह जन्म लेता है तो उसके चेहरे और पूरे शरीर में छोटे-छोटे रोएं होते हैं जो देखने में बुरे लगते हैं। मालिश के जरिए इन्हें भी हटाया जा सकता है।

नींद कम तो डायबिटीज का गम



नींद को सबसे बड़ा पेन किलर कहा जाता है। यानी सोना हर दर्द का मरहम है। अगर आपको पूरी नींद आती है तो आप पूरी तरह स्वस्थ हैं। जो लोग ठीक से सो नहीं पाते उनके लिए कई खतरे पैदा हो जाते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक पूरी नींद न ले पाने वाले लोगों में डाटबिटीज का खतरा 20 फीसद बढ़ जाता है। ऐसा एक उत्परिवर्ती (म्यूटेंट) जीन के कारण होता है, जो हमारी बॉडी क्लॉक को प्रभावित करता है।

33 हजार लोगों पर किए गए एक अन्तरराष्ट्रीय शोध के यह नतीजे 'नेचर जेनेटिक्स' जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं। इसके मुताबिक म्यूटेंट जीन की वजह से हमारे हार्मोन नियंत्रण की प्रक्रिया बाधित होती है, साथ ही यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने वाले इंसुलिन के स्तर को भी प्रभावित करता है। अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक, 1ऐसे लोगों में टाइप-2 डायबिटीज का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है, जो इस जीन के कारण तनाव में रहते हैं। शोध कहता है कि ऐसा 'क्लॉक जीन' की वजह से होता है, जो ब्लड शुगर के स्तर और टाइप-2 डायबिटीज से संबंधित है। लंदन के इंपीरियल कॉलेज के प्रोफेसर और इस शोध के सहायक लेखक फिलिप फ्रोग्यूल के कहा, 'पहले हुए शोधों में भी नींद से जुड़ी परेशानियों, डिप्रेशन और मोटापे के बीच संबंध तलाशा गया था। यह दोनों ही डायबिटीज से जुड़े हैं।' उदाहरण के लिए, 'मोटे बच्चों में ठीक से न सोने की प्रवृत्ति होती है, वहीं ऐसे लोग जो सोने को समय को लेकर सक्रिय नहीं होते उनमें मोटापा बढ़ने लगता है।' नया शोध बताता है कि 'एक निश्चित चक्र' आई परेशानियां डायबिटीज और ब्लड शुगर के ऊंचे स्तर का कारण होती हैं। शोधकर्ताओं ने उम्मीद जताई है कि उनका शोध इस बीमारी के इलाज के नए विकल्प मुहैया कराएगा। प्रोफेसर फ्रोगल और उनके दल ने हाल में जेनेटिक म्यूटेसन से जुड़ी कई खोजें की है। इस दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि किसी व्यक्ति के शरीर में जितनी अधिक म्यूटेसन होगी, उसमें उतना ही अधिक डाटबिटीज का खतरा बढ़ेगा। प्रोफेसर फ्रोग्यूल के कहा, 'हम पूरी तरह से उस जीन के बारे में जानकारियां जुटाने का प्रयास कर रहे हैं, जो हाई ब्लड शुगर, डायबिटीज के लिए जिम्मेदार होता है। इसके बाद ही इस बीमारी के इलाज के नए रास्ते ढूंढे जा सकेंगे।' उनका दल ऐसा टेस्ट विकसित करने में जुटा है, जो किसी व्यक्ति में हाई ब्लड शुगर के खतरे का समय रहते पता लगा सके। जिससे उच्च स्तर पर पहुंचने से पहले ही इसे नियंत्रित किया जा सके।

स्मोकर टीनेजर गर्ल हो जाती हैं मोटी



आधुनिक, बेफिक्र और क्लासी दिखने की चाहत टीनेजर को कुछ भी कराने पर मजबूर कर देती है। भले ही वह 'एडवांस शो-ऑफ' हो 'धुएं का छल्ला बनाने का बिदास अंदाज।' हाईस्कूल के रेस्ट रूम में सिगरेट का धुंआ और कहकहे लगाती बेफिक्र किशोरियां। बहरहाल, बात ऐसी ही किशोरियों को आगाह करने की हो रही है। आधुनिकता की बयार में बह रही जो टीनेजर गर्ल स्मोकिंग की लत का शिकार हैं, उनमें उम्र बढ़ने के साथ-साथ मोटापे का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। फिनलैंड में हुए एक नए शोध के बाद यह दावा किया गया है। जो अमेरिकन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ के फरवरी अंक में प्रकाशित होगा।

ऐसी किशोरियां जो दिनभर में 10 सिगरेट सुलगा लेती हैं, इस खतरे की जद में ज्यादा होती हैं। यानी उनमें उदर का मोटापा ज्यादा पाया जाता है। ऐसी किशोरियों की कमर, स्मोकिंग न करने वाली किशोरियों से करीब डेढ़ इंच कम होती है। हालांकि शोध में यह साफ नहीं किया गया है कि क्या स्मोकिंग करने वाले किशोरों को भी ऐसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। शोधदल ने पाया कि स्मोकिंग और मोटापा एक दूसरे से संबंधित हैं। हेलेंस्की के पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट की अनुसंधानकर्ता और शोध की प्रमुख लेखक सोमा सारनी के मुताबिक, 'हम यह पता नहीं लगा पाए कि स्मोकिंग किशोरों के वजन पर असर क्यों नहीं डालती।' यह शोध 1975 से 1979 के बीच जन्मे जुड़वाओं पर किया गया था। उनके 16वें जन्मदिन के तुरंत बाद एक प्रश्नावली दी गई। शोधकर्ताओं ने इस जुड़वाओं के 20 साल के होने पर उनसे यह डाटा जुटाया। कुल 2278 महिलाओं और 2018 पुरुषों पर यह शोध किया गया था। शोधकर्ताओं के मुताबिक स्मोकिंग और वजन वृद्धि के शिकार जुड़वों की जेनेटिक कारकों का अध्ययन किया गया। इनमें से आधे लोगों ने कभी स्मोकिंग नहीं की थी, 12 फीसद लोग पहले यह 'शौक' रखते थे। करीब 15 फीसद युवक और 9.4 फीसद युवतियां ऐसी थीं, जो एक दिन में दस सिगरेट पी जाती थीं। बीस साल की अवस्था तक पहुंचते-पहुंचते इन लोगों ने वजन बढ़ने की शिकायत की। 24 साल की अवस्था में 24 फीसद पुरुष और 11 फीसद महिलायें आवरवेट हो गई थीं।

ऐसी युवतियां जो ज्यादा सिगरेट पीती हैं, उनमें सामान्य की तुलना में वजन बढ़ने के चांस ढाई फीसद ज्यादा होते हैं। यह अंतर कल्चरल और बायोलॉजिकल दोनों ही तरह का हो सकता है। जहां तक बायोलॉजिकल परिवर्तनों की बात है, ऐसा संभव है कि युवक और युवतियों में तंबाकू और खास जीन के बीच क्रियायें अलग-अलग हो रही हों

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
बुद्धि व धन का दुरुपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। यातायात में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला — रा री रू रे रो ता ती तू ते
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
दिन-घर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचें। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पहुंचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-1-2-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। [illegible]

काकुरो पहेली - 4080

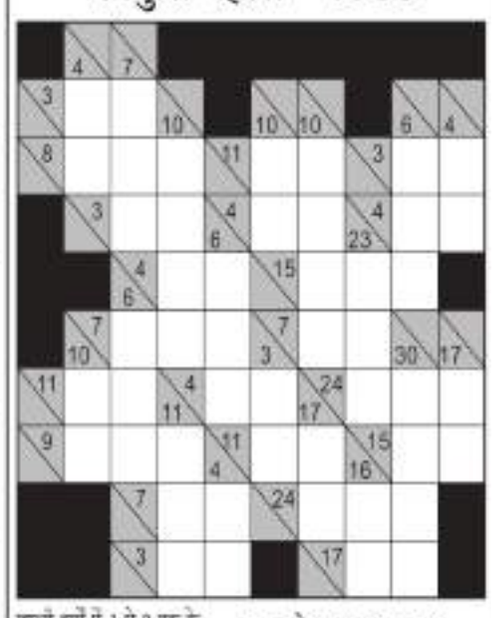

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

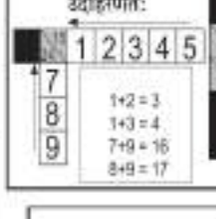

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4079 का हल



हंसी के फूव्वारें

अपराधी का पहला अपराध होने के कारण न्यायाधीश ने उसे क्षमा करते हुए कहा- 'हमें पूरा विश्वास है तुम कभी यहां दिखाई नहीं दोगे.'

हां हजूर, मेरी कोशिश होगी कि पुलिस मुझे न पकड़ सके और फिर कभी मैं यहां न दिखाई दूं.

□ □ □

'अरे यह क्या ? आप कहां से आ रहे हैं ? कपड़े फटे हुए हैं. खून निकल रहा है, सिर पर चोट लगी है. चलो आपको घर पहुंचा दूं.' मित्र ने संवेदनाभरे स्वर में कहा.

नहीं, नहीं मैं घर नहीं जाऊंगा, घर से ही आ रहा हूं, घायल ने शीघ्रतापूर्वक कहा.

□ □ □

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे के स्टेशन मास्टर से शिकायत कि-चालीस मिनट हो गये, ट्रेन अभी तक नहीं पहुँची.

स्टेशन मास्टर ने कहा-घबराइये नहीं, यह टिकट चौबीस घण्टे तक चल सकता है.

□ □ □

क्या आप जानते हैं कि नाव को स्त्रीलिंग क्यों माना जाता है ?

'क्योंकि नाव हवा के साथ-साथ अपना रुख बदलती रहती है.'

□ □ □

शिक्षक: पानी पर मच्छर क्यों बैठते हैं ?

राजीव: इसलिए कि पानी उड़ न जाये.

फिल्म वर्ग पहेली- 4080

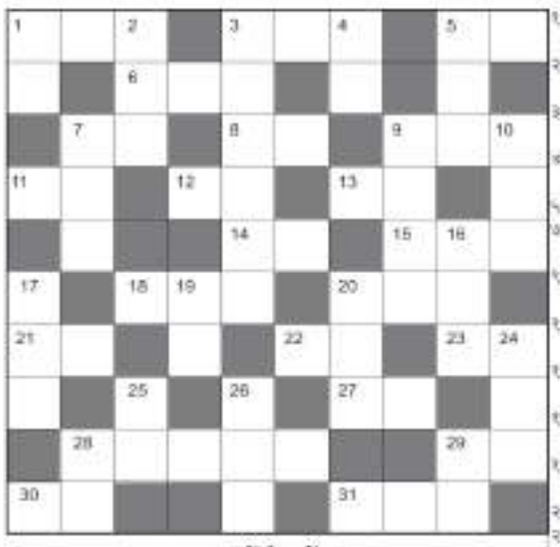

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, ओदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'पहला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोरा बचा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरुख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो माला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरहीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंचनजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उम्र के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवालों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं रम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेहाड़ी की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीला चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फरहख हेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी ऑफ, जूही, अमृता की 'मेरी बनी की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश बधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरुदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमरुदाखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है रूबीरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सावरवानी की फिल्म-३
२८. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4079



सूडोकु -4080

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4079 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 4080



बाएं से दाएं

1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में तुलसी इस परिवार की बहू है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली -4079 का हल



संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी